

सांध्य दैनिक

श्रीकंचनपथ

RNI. Reg. No. CHHHIN/2009/30534
डाक पंजीयन क्रं.-छ.ग./दुर्ग/1000000029/2026-28

लीपा पोती नहीं सिर्फ सच



वर्ष- 18 अंक - 43 | www.shreekanchanpath.com | संस्थापक एवं प्रेरणास्रोत- स्व. श्रीमती रजनी अग्रवाल | भिलाई, गुरूवार 26 नवम्बर 2026 | पृष्ठ 8- मूल्य 1/-

खास - खबर

हाईकोर्ट का आदेश- जंगलों में बिजली लाइन की ऊंचाई 20 फीट की जाए

बिलासपुर। हाईकोर्ट ने करंट से हाथियों की लगातार हो रही मौतों के मामले में जनहित याचिका पर सुनवाई करते हुए राज्य सरकार और बिजली विभाग को सख्त निर्देश दिए हैं। कोर्ट ने वन एवं ऊर्जा विभाग से जवाबदेही तय करने और जंगल क्षेत्रों में बिजली के तारों को सुरक्षित बनाने के लिए ठोस कार्रवाई करने को कहा है। इसके साथ ही बिजली विभाग को मामले में शपथ पत्र मांगा गया है। इसमें भारत सरकार की 2020 की गाइडलाइन का पालन करने गया है। इसमें जंगलों से जो तार उपर से गुजरे हैं उनकी ऊंचाई 20 फीट करनी है तो जो तार नीचे जमीन पर हैं उन्हें हटाया जाना है। हाईकोर्ट ने केंद्र के दिशानिर्देशों के अनुरूप वन क्षेत्रों में ढीली और झुकी बिजली लाइनों को दुरुस्त करने, तारों की ऊंचाई बढ़ाने तथा 11 केवी और एलटी लाइनों में कवर्ड कंडक्टर लगाने जैसे उपायों पर जोर दिया है।

सुप्रीम कोर्ट का बड़ा फैसलाः हाई फैट, शुगर और सॉल्ट पर अलग-अलग चेतावनी अनिवार्य

नईदिल्ली। देश के तेजी से बढ़ते पैकेज्ड फूड और एफएमसीजी (FMCG) सेक्टर के लिए विनियामक मोर्चे पर एक बड़ा नीतिगत मोड़ सामने आया है। सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र सरकार और भारतीय खाद्य सुरक्षा एवं मानक प्राधिकरण (FSSAI) को खाद्य उत्पादों पर 'फ्रंट-ऑफ-पैकेज न्यूट्रिशन लेबलिंग' (FOPNL) को प्रभावी ढंग से लागू करने के सख्त निर्देश जारी किए हैं। जस्टिस जेबी पारदीवाला और जस्टिस के. विनोद चंद्रन की पीठ ने स्पष्ट व्यवस्था दी है कि वसा (Fat), चीनी (Sugar) और नमक (Salt) की अधिक मात्रा वाले प्रत्येक उत्पाद पर अलग-अलग सचित्र चेतावनी प्रतीक (Pictorial Warning Symbols) लगाना अनिवार्य होगा। '3एस एंड अवर हेल्थ सोसाइटी' द्वारा दायर जनहित याचिका (सिविल रिट याचिका संख्या 437/2024) पर यह ऐतिहासिक निर्देश जारी किया गया है।

नियमों का उल्लंघन करने पर रायगढ़ में 8 पेट्रोल पंप सील

रायगढ़। जिले में नियमों का पालन नहीं करने वाले 8 पेट्रोल पंपों का विक्रय आगामी आदेश तक बंद कर सील कर दिया गया है। राजस्व और खाद्य विभाग की संयुक्त टीम ने पेट्रोल पंपों की जांच की। इस दौरान ग्राहकों को मिलने वाली जरूरी सुविधाओं की कमी और निर्धारित नियमों का उल्लंघन पाया गया। इसके बाद संबंधित पंप संचालकों के खिलाफ कार्रवाई की गई। जांच के दौरान अंगुरी पेट्रोलियम, श्री हरि पेट्रोलियम, श्री बजरंग फ्यूल्स, राधाकिशन फ्यूल्स अंजोरीपाली खरसिया, नरेंद्र केएसके राजपुर, एमएस हेमकुंड फ्यूल्स कुरमापाली रायगढ़, मेसर्स रायगढ़ सिटी फ्यूल्स जूटमिल रायगढ़ और बाबा फिलिंग स्टेशन धरमजयगढ़ में अनियमितताएं मिलीं। इन पेट्रोल पंपों में मोटर स्पिरिट एवं हाई स्पीड डीजल (प्रदाय तथा वितरण विनियमन और अनाचार निवारण) आदेश, 2005 और एलओआई की शर्तों का उल्लंघन पाया गया। इसके बाद नियमानुसार इनका विक्रय बंद कर सील करने की कार्रवाई की गई। प्रशासन ने जिले के सभी पेट्रोल-डीजल पंपों में ग्राहकों की सुविधाओं और साफ-सफाई की व्यवस्था बेहतर करने के निर्देश दिए थे। इनमें महिला और पुरुषों के लिए साफ शौचालय, स्वच्छता और सैनिटेशन की व्यवस्था शामिल थी।

स्पेन में बिखरेगी छत्तीसगढ़ के जवाफूल, जीराफूल, नगरी दुबराज और कालीमूंछ चावल की खुशबू

■ कृषि मंत्री रामविचार नेताम ने स्पेन में की महत्वपूर्ण व्यावसायिक चर्चा

रायपुर। धान के कटोरे के रूप में विख्यात छत्तीसगढ़ की कृषि संपदा अब अंतरराष्ट्रीय बाजारों में अपनी विशिष्ट पहचान बनाने की दिशा में आगे बढ़ रही है। प्रदेश के पारंपरिक सुगंधित चावल एवं अन्य विशिष्ट कृषि उत्पादों को वैश्विक उपभोक्ताओं तक पहुंचाने के लिए स्पेन के बार्सिलोना में महत्वपूर्ण पहल की गई है।

छत्तीसगढ़ के कृषि विकास एवं किसान कल्याण मंत्री रामविचार नेताम के नेतृत में स्पेन पहुंचे राज्य के प्रतिनिधिमंडल की फिरा बार्सिलोना संस्था के सीईओ रिकॉर्ड जेप्टरो के साथ बैठक हुई। बैठक में छत्तीसगढ़ के विशिष्ट कृषि उत्पादों की वैश्विक ब्रांडिंग, अंतरराष्ट्रीय प्रदर्शनियों में सहभागिता, निर्यात की संभावनाओं तथा यूरोपीय बाजारों तक पहुंच सुनिश्चित करने के संबंध में विस्तार से चर्चा हुई। संस्था के मुख्य कार्यकारी अधिकारी जेप्टरों ने छत्तीसगढ़ शासन के साथ समन्वय स्थापित कर



प्रदेश के जवाफूल, जीराफूल, नगरी दुबराज और कालीमूंछ सहित अन्य विशिष्ट कृषि उत्पादों को अंतरराष्ट्रीय प्रदर्शनियों के माध्यम से प्रचारित करने में सहयोग की बात कही।

गौरतलब है कि उक्त संस्था भारत सहित विभिन्न देशों व राज्यों के साथ व्यावसायिक समन्वय स्थापित कर कृषि उत्पादों को अंतरराष्ट्रीय व्यापार मंचों तक पहुंचाने की दिशा में कार्य करती है। देश के मध्यप्रदेश और महाराष्ट्र में समन्वय के बाद इस पहल से छत्तीसगढ़ के कृषि उत्पादकों, किसान उत्पादक संगठनों (एफपीओ), कृषि उद्यमियों एवं निर्यातकों को विदेशी खरीदारों से जुड़ने के नए अवसर मिलने की संभावना है।

इन चावलों की है अलग पहचान

छत्तीसगढ़ के पारंपरिक सुगंधित चावल अपनी विशिष्ट खुशबू, स्वाद और गुणवत्ता के कारण अलग पहचान रखते हैं। प्रदेश के जीराफूल और नगरी दुबराज चावल को भौगोलिक संकेतक (जीआई टैग) भी प्राप्त है। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर इनकी प्रभावी ब्रांडिंग से किसानों को उनकी विशिष्ट उपज का बेहतर मूल्य मिलने के साथ ही पारंपरिक धान की किस्मों के संरक्षण को भी प्रोत्साहन मिल सकता है।

अब धान खरीदी में किसानों को नहीं होगी परेशानी, 15 जनवरी तक होगी खसरा मैपिंग

फसल संबंधी दावा-आपत्तियों का होगा भौतिक सत्यापन, सभी कलेक्टरों को जारी किए गए निर्देश

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ शासन ने खरीफ विपणन वर्ष 2026-27 में समर्थन मूल्य पर धान खरीदी को आसान बनाने के लिये बड़ी पहल की है। पात्र किसानों को अपनी उपज बेचने में किसी प्रकार की कठिनाई न हो, इसके लिए खसरा मैपिंग एवं फसल संबंधी कठिनाइयों का प्राथमिकता से निराकरण करने के निर्देश दिए गए हैं। इस संबंध में खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण विभाग और राजस्व एवं आपदा प्रबंधन विभाग ने संयुक्त रूप से प्रदेश के सभी कलेक्टरों को निर्देश जारी कर दिये हैं।

मुख्य सचिव की अध्यक्षता में 8 नवंबर 2026 को आयोजित धान खरीदी की तैयारियों संबंधी बैठक में दिए गए निर्देशों के अनुक्रम में यह कार्रवाई की जा रही है। खाद्य विभाग की सचिव रीना



बाबा साहेब कंगाले एवं राजस्व एवं आपदा प्रबंधन विभाग की सचिव शम्मी आबिदी की ओर से जारी निर्देशों में किसानों की समस्याओं के निराकरण और फसल संबंधी अभिलेखों के सत्यापन पर विशेष जोर दिया गया है।

ऐसे किसान, जिनके खसरे फार्मर रजिस्ट्री में दर्ज हैं, लेकिन खसरा मंडल में प्रदर्शित नहीं हो रहे हैं, उनके खसरों की मैपिंग के लिए संबंधित सहकारी समिति की आईडी में 'एग्रीस्टेक से धान खरीदी के लिये भूमि विवरण सिंक करें' का विकल्प उपलब्ध कराया गया है। कलेक्टरों को संबंधित समितियों के माध्यम से ऐसे सभी प्रकरणों का निराकरण हल करने के निर्देश दिए गए हैं। खसरा मैपिंग की समय-सीमा में धान खरीदी की अवधि 15 जनवरी 2027 तक तय की गई है।

खेतों में पहुंचकर वास्तविक फसल का होगा सत्यापन

डिजिटल फसल सर्वेक्षण (डीसीएस) में जिन खसरों में अन्य फसल दर्ज है, लेकिन किसानों द्वारा वास्तविक रूप से धान की फसल बोए जाने का दावा किया जा रहा है, उनका विस्तृत भौतिक सत्यापन कराया जाएगा। इसके साथ ही डीसीएस एवं पीवी ऐप दोनों में फसल प्रविष्टि के लिए उपलब्ध नहीं होने के कारण सर्वेक्षण एवं सत्यापन से छूट गए खसरों का भी संबंधित तहसीलदार के माध्यम से भौतिक सत्यापन कराया जाएगा। सत्यापन के दौरान राजस्व अभिलेखों का मिलान करते हुए मौके पर वास्तविक फसल एवं फसल क्षेत्रफल का परीक्षण किया जाएगा। प्रत्येक संबंधित खसरे का मौका पंचनामा तैयार करने के साथ ही वास्तविक फसल की स्थिति को प्रमाणित करने वाले स्थल के फोटोग्राफ भी संलग्न किए जाएंगे।

30 नवंबर तक सरकार को देनी होगी जानकारी

राज्य शासन ने सत्यापन के बाद सही एवं अद्यतन जानकारी निर्धारित प्रारूप में एकत्र कर तथा सक्षम प्राधिकारी से विधिवत अनुमोदन प्राप्त करने के निर्देश दिए हैं। फसल प्रविष्टि एवं संशोधन की अग्रिम कार्रवाई के लिए यह जानकारी 30 नवंबर 2026 तक अनिवार्य रूप से देनी होगी।

संविधान दिवस पर मंत्रालय में उद्देशिका का सामूहिक वाचन



श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मंत्रालय महानदी भवन में गुरूवार को संविधान दिवस के अवसर पर मुख्य सचिव विकासशील की उपस्थिति में भारत के संविधान की उद्देशिका का सामूहिक वाचन किया गया। इस दौरान मुख्य सचिव ने मंत्रालय के अधिकारियों एवं कर्मचारियों से संविधान की उद्देशिका का वाचन करवाया।

सभी ने उद्देशिका में उल्लेखित हम, भारत के लोग, भारत को एक सम्पूर्ण प्रभुत्व-सम्पन्न समाजवादी पंथनिरपेक्ष लोकतंत्रात्मक गणराज्य बनाने के लिए, तथा उसके समस्त नागरिकों को सामाजिक, आर्थिक और राजनैतिक न्याय, विचार, अभिव्यक्ति, विश्वास, धर्म और उपासना की स्वतंत्रता, प्रतिष्ठा और अवसर की समता प्राप्त कराने के लिए, तथा उन सब में व्यक्ति की गरिमा और राष्ट्र की एकता और अखण्डता सुनिश्चित करने वाली बंधुता बढ़ाने के लिए दृढ़संकल्प होकर अपनी इस संविधान सभा में आज तारीख 26 नवम्बर, 1949 ई. एतद् द्वारा इस संविधान को अंगीकृत अधिनियमित और आत्मार्पित करते हैं, का वाचन किया।

13 लाख के इनामी दो नक्सलियों ने किया सरेंडर : ओडिशा में थे सक्रिय

श्रीकंचनपथ न्यूज

बीजापुर। छत्तीसगढ़ के नक्सल प्रभावित बीजापुर जिले में माओवादी संगठन को एक और झटका लगा है। ओडिशा राज्य में सक्रिय दो माओवादी कैडरों ने हिंसा का रास्ता छोड़कर बीजापुर पुलिस के समक्ष आत्मसमर्पण कर दिया है। आत्मसमर्पण करने वाले दोनों माओवादियों पर कुल 13 लाख रुपये का इनाम घोषित था। इनमें एक [illegible] और एक [illegible] का माओवादी शामिल है। पुलिस के अनुसार, दोनों माओवादी कैडरों ने छत्तीसगढ़ शासन की नक्सल आत्मसमर्पण एवं पुनर्वास नीति, सुरक्षा



बलों के लगातार चल रहे नक्सल विरोधी अभियानों और पुनर्वास व कौशल विकास कार्यक्रमों से प्रभावित होकर संगठन छोड़ने का निर्णय लिया। इसके बाद उन्होंने बीजापुर पुलिस के सामने आत्मसमर्पण किया।

किसानों ने की 65100 रु प्रति एकड़ मुआवजे की मांग

जगदलपुर। अतिवृष्टि और बाढ़ से फसल बर्बादी का सामना कर रहे बस्तर के किसानों ने प्रति एकड़ 65 हजार 100 रुपये का मुआवजे की मांग की है। मांग को लेकर किसानों ने आंदोलन तेज करने का फैसला किया है। लंबे समय से राहत की मांग कर रहे किसानों का कहना है कि ज्ञापन सौंपने और प्रशासन को समय देने के बावजूद उन्हें अब तक कोई ठोस सहायता नहीं मिली है। इसी नाराजगी के बीच किसान संघर्ष समिति ने आगामी 11 दिसंबर को राष्ट्रीय राजमार्ग-63 पर चक्काजाम करने का ऐलान किया है। किसानों ने स्पष्ट किया है कि जब तक उन्हें प्रति एकड़ 65 हजार 100 रुपये का मुआवजा नहीं मिलता, तब तक उनका आंदोलन जारी रहेगा। बस्तर क्षेत्र में हुई अतिवृष्टि और बाढ़ के कारण हजारों किसानों की फसलें प्रभावित हुई हैं। खेतों में तैयार हो रही धान, मक्का और सब्जियों की फसल को भारी नुकसान पहुंचा। प्राकृतिक आपदा के बाद प्रभावित किसानों ने नुकसान की भरपाई के लिए शासन-प्रशासन से मुआवजे की मांग की थी। किसानों के मुताबिक, उन्होंने 6 नवंबर को भी अपनी समस्याओं और मांगों को लेकर ज्ञापन सौंपा था। उन्हें आश्वासन दिया गया कि उनकी मांग शासन तक पहुंचाई जाएगी, लेकिन अब तक राहत को लेकर कोई ठोस कार्रवाई सामने नहीं आई है।

छत्तीसगढ़ में 40 से अधिक उम्र के कर्मचारियों की हर साल करानी होगी मुफ्त स्वास्थ्य जांच

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ में कारखानों, भवन एवं अन्य निर्माण कार्यों में काम करने वाले श्रमिकों की स्वास्थ्य सुरक्षा अब मजबूत होने की संभावना है। 40 वर्ष की उम्र पूरी कर चुके कर्मचारियों की हर साल मुफ्त स्वास्थ्य जांच कराना नियोक्ता की जिम्मेदारी होगी। नियमित रूप से काम करने वाले ठेका श्रमिकों को हर साल कम से कम दो प्रतिशत वेतन वृद्धि देने का प्रावधान भी किया गया है।

दरअसल, राज्य सरकार ने प्रस्तावित व्यावसायिक सुरक्षा, स्वास्थ्य एवं कार्यदशा नियम, 2026 में कर्मचारियों के स्वास्थ्य और अधिकारों को लेकर कई महत्वपूर्ण प्रावधान किए गए हैं। नियम 5 के मुताबिक, कारखानों, भवन एवं अन्य निर्माण कार्यों तथा राज्य सरकार



की ओर से अधिसूचित किए जाने वाले प्रतिष्ठानों में 40 वर्ष की उम्र पूरी कर चुके प्रत्येक कर्मचारी की सालाना मेडिकल जांच मुफ्त करानी होगी। जांच योग्य चिकित्सा विशेषज्ञ से निर्धारित फॉर्मेट में कराई जाएगी। मेडिकल प्रमाणपत्र की प्रति नियोक्ता और कर्मचारी, दोनों को दी जाएगी। नियोक्ता यह जांच कर्मचारी राज्य बीमा निगम (ईएसआईसी) के माध्यम से भी करा सकेगा।

नियमित ठेका श्रमिकों को हर साल कम से कम 2 फीसदी वेतन वृद्धि

ठेका श्रमिकों के लिए नियम 123 में वेतन वृद्धि का प्रावधान किया गया है। इसके अनुसार, ठेकेदार के यहां नियमित रूप से किसी गतिविधि में नियोजित ऐसा श्रमिक, जिसका रोजगार आपसी सहमति से तय रोजगार शर्तों के तहत संचालित होता है, हर साल अपने वेतन में कम से कम दो प्रतिशत की वृद्धि पाने का हकदार होगा। नियम 38 में महिलाओं से रात में काम कराने को लेकर विशेष शर्तें रखी गई वं हैं। सुबह 6 बजे से पहले और शाम 7 बजे के बाद काम कराने के लिए महिला कर्मचारी की सहमति निर्धारित फॉर्म-19 में लेना अनिवार्य होगा। महिला कर्मचारी के घर तक आने-जाने के लिए परिवहन की सुविधा देनी होगी।

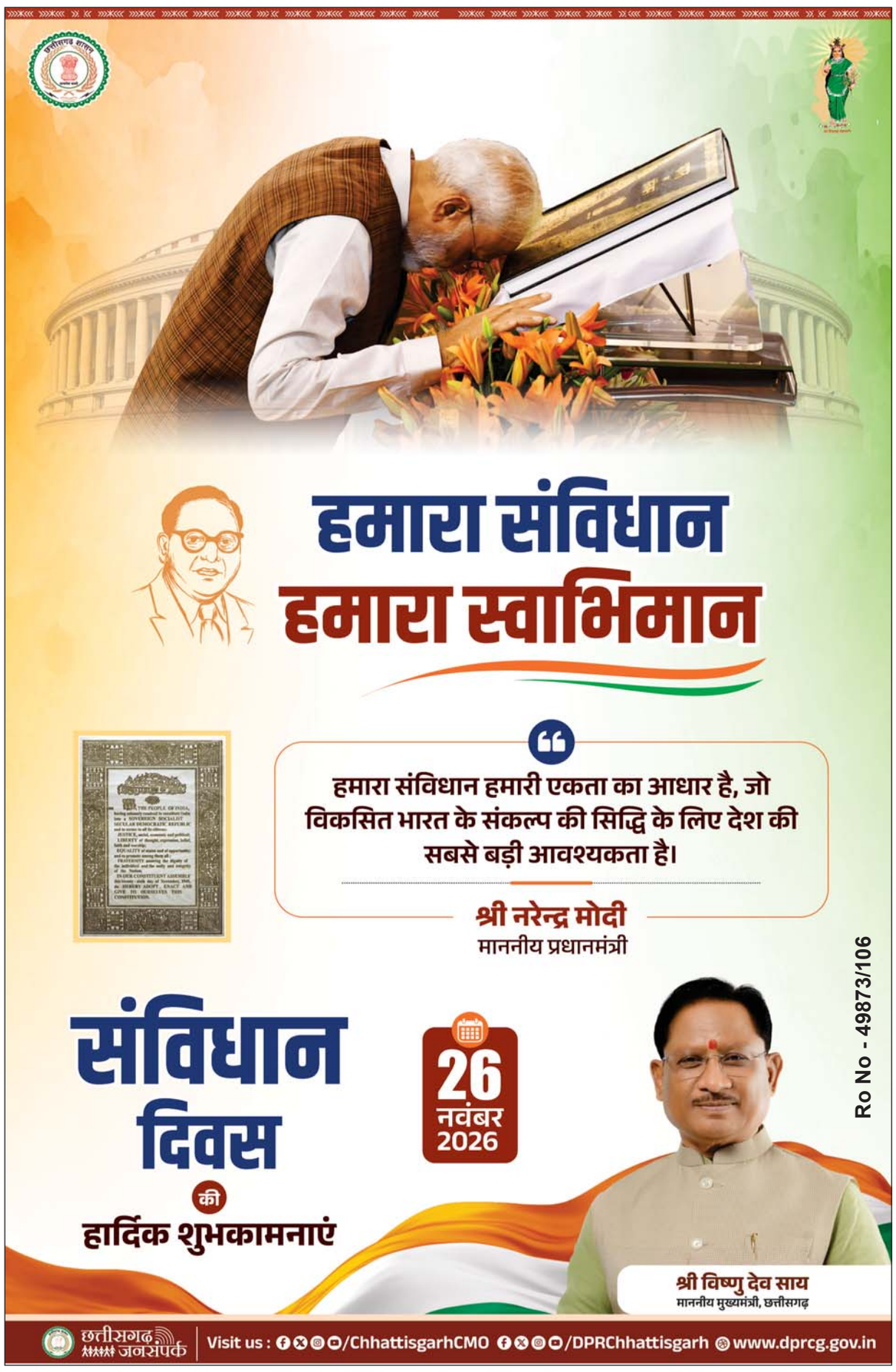

संपादकीय

सूर्य जैसा वैभव

सूर्यवंशी की आतिशी पारी से दुनिया में खलबली

यह कल्पना से परे है कि कोई पंद्रह वर्षीय किशोर क्रिकेट के खेल में महज 52 गेंदों में दोहरा शतक बना दे। इतना ही नहीं, 28 बॉल में शतक भी जड़ दे। साथ ही सबसे तेज 150 रन महज 40 गेंदों में बना डाले। एक पारी में 28 छक्कों का अविश्वसनीय कारनामा। यानी 204 रनों की पारी में 168 रन सिर्फ छक्कों से बटोर लिए, जो अपने आप में विश्व रिकॉर्ड हैं। ये कारनामा मंगलवार को वैभव सूर्यवंशी ने लिस्ट ए क्रिकेट के दोहा में हुए एक मैच में कर दिखाया। कहा जा रहा है कि इस टीनएजर ने क्रिकेट को वीडियो गेम बना डाला। आज दुनिया के क्रिकेट जगत में सूर्यवंशी के खेल-वैभव की चर्चा हो रही है। क्रिकेट के दिग्गज उनकी तारीफ के पुल बांध रहे हैं। साथ ही सवाल भी पूछ रहे हैं कि उन्हें टी-20 व वन डे की भारतीय टीम में बतौर ओपनर कब जगह मिल पायेगी उल्लेखनीय है कि वे दस इंटरनेशनल टी-20 मैचों में 185 के स्ट्राइक रेट से 295 रन बना चुके हैं। इतना ही नहीं ,आईपीएल की अब तक खेली 23 पारियों में उन्होंने 228 के स्ट्राइक रेट से 1028 रन बनाये हैं। वहीं आईपीएल सीजन में भी उन्होंने क्रिस गेल जैसे दिग्गज क्रिकेटर द्वारा एक सीजन में सबसे ज्यादा छक्के जड़ने का रिकॉर्ड भी तोड़ा था। इस किशोरवय सनसनी ने आईपीएल सीजन 2026 में 72 छक्के जड़े थे। यही वजह है कि अक्सर उनके आक्रामक खेल और छक्के मारने के कौशल की चर्चा होती है। दुनिया के अन्य देशों में उनके इस चमत्कारी हुनर की चर्चा खूब हो रही है। यहां तक कि मंगलवार को पाकिस्तान द्वारा दोहा में अपना ग्रुप का मैच जीतने के बावजूद वहां सिर्फ वैभव के आतिशी खेल की चर्चा होती रही। निस्संदेह, छोटी उम्र में वैभव की कामयाबी अप्रत्याशित है। वे मौलिक खेल प्रतिभा के धनी हैं। अभी उनका लंबा क्रिकेट जीवन होना है।

> **“ आज दुनिया के क्रिकेट जगत में सूर्यवंशी के खेल-वैभव की चर्चा हो रही है। क्रिकेट के दिग्गज उनकी तारीफके पुल बांध रहे हैं। साथ ही सवाल भी पूछ रहे हैं कि उन्हें टी-20 व वन डे की भारतीय टीम में बतौर ओपनर कब जगह मिल पायेगी उल्लेखनीय है कि वे दस इंटरनेशनल टी-20 मैचों में 185 के स्ट्राइक रेट से 295 रन बना चुके हैं। इतना ही नहीं ,आईपीएल की अब तक खेली 23 पारियों में उन्होंने 228 के स्ट्राइक रेट से 1028 रन बनाये हैं। वहीं आईपीएल सीजन में भी उन्होंने क्रिस गेल जैसे दिग्गज क्रिकेटर द्वारा एक सीजन में सबसे ज्यादा छक्के जड़ने का रिकॉर्ड भी तोड़ा था।**

यही वजह है कि वैभव की प्रतिभा और फुल फॉर्म में होने की वजह से भारतीय टीम में उनकी जगह सुनिश्चित करने की मांग की जा रही है। जाहिर है इस समय दुनिया के दिग्गज गेंदबाज उनके खेल को पढ़ रहे होंगे। ऐसे में अंतर्राष्ट्रीय पिचों व गेंदबाजों को उन्हें समझना होगा। जिसके लिये वैभव को अपने खेल कौशल को और समृद्ध करने की जरूरत होगी। निस्संदेह, अविश्वसनीय कामयाबी वाले वैभव के पास भविष्य में तमाम मौके आने वाले हैं। बीसीसीआई को उनको लेकर संतुलित नीति अपनाने की जरूरत होगी। कुछ लोगों का मानना है कि मौलिक व आक्रामक खेल वाले खिलाड़ी विरले ही पैदा होते हैं, लेकिन समय पर बड़े अवसर न मिलने का नकारात्मक प्रभाव उनके खेल में पड़ सकता है। क्रिकेट समीक्षक सोलह साल की उम्र में सचिन तेंदुलकर को अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट में पाकिस्तान के खिलाफ 1989 में मौका देने और उसके बाद उनकी अप्रत्याशित कामयाबी का जिक्र भी करते हैं। निस्संदेह, ऐसे में विरले ही सामने आने वाली विशिष्ट प्रतिभाओं को मानसिक संबल देने की जरूरत होगी। वैभव जैसे रिकॉर्ड पर रिकॉर्ड बनाते हुए बेतहरीन खेल रहे हैं तो उसी अनुपात में उन्हें अच्छे अवसर भी मिलने चाहिए। आईपीएल सीजन 2026 में सबसे ज्यादा रन बनाकर ऑरेंज कैप हासिल करना उनकी प्रतिभा को ही दर्शाता है। साथ ही जरूरी है कि वैभव अपने आक्रामक खेल को बनाये रखें। उसमें निरंतरता रहे और वे क्रिकेट की आधुनिक तकनीकों से रूबरू होते रहें। निश्चित रूप से अधिक इंटरनेशनल मैच खेलना, उनके खेल में निखार लाएगा। जाहिर है उनकी हालिया आतिशी पारी के बाद दुनिया के तमाम गेंदबाज उन पर हावी होने के रास्ते तलाश रहे होंगे। वे उनकी असाधारण प्रतिभा को काबू करने के नुस्खे तलाश रहे होंगे। उनकी हिटिंग पावर को रोकने की व्यूह रचना की जा रही होगी। सुखद है कि दोहा के मंगलवार के मैच में जितने छक्के वैभव ने लगाये, कोई पूरी टीम भी उतने छक्के नहीं लगा सकती। कहा जा रहा है कि यह रिकॉर्ड तो सिर्फ वैभव ही तोड़ सकते हैं क्योंकि वे एक नैसर्गिक प्रतिभा के धनी है। निस्संदेह, जिस प्रतिष्ठा व उपलब्धि को क्रिकेटर सालों खेलने के बाद पाते हैं, उसे उन्होंने किशोरावस्था में ही पा लिया है।

संविधान निर्माताओं के सपनों को साकार करने का संकल्प

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी



26 नवंबर... 1949 में आज ही के दिन संविधान सभा ने हमारे संविधान को अंगीकार किया था। आज हम डॉ. राजेंद्र प्रसाद, डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर और संविधान सभा के सभी सदस्यों का स्मरण करते हैं। उनकी महानता इस बात में थी कि उन्होंने एक आधुनिक संविधान के निर्माण में भारत की समृद्ध परंपराओं और हमारी सभ्यता के अनुभव को भरपूर स्थान दिया। भारत जैसे विविधताओं से भरे देश में, जहां अनेक पंथ हैं, भाषाएं हैं, रीति-रिवाज हैं, विचार परंपराएं हैं, वहां ये बहुत जरूरी है कि संविधान की गूंज संसद और अदालतों की चारदीवारी से कहीं आगे तक पहुंचे। हमारा प्रयास रहा है कि जन-जन की चेतना से, विशेषकर हमारे युवाओं से संविधान का जुड़ाव और गहरा हो। इससे राष्ट्रीय एकता की वो भावना और मजबूत होगी, जो भारत के उज्ज्वल भविष्य के लिए बहुत जरूरी है। इसी सोच के साथ एक दशक पहले हमारी सरकार ने 26 नवंबर को संविधान दिवस के रूप में मनाने का निर्णय लिया था।

हमारा संविधान मेरे साथ करोड़ों भारतीयों की जीवन यात्रा का एक अभिन्न हिस्सा है। बचपन के वो साधारण हालात, जीवन के वो संघर्ष, जब भी मैं उस दौर को याद करता हूं, संविधान के प्रति मेरा हृदय अपार कृतज्ञता से भर जाता है। एक साधारण परिवार में जन्म लेने वाला बालक, जिसे विरासत में कोई विशेषाधिकार या सुविधा नहीं मिली, एक दिन दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र की सेवा का दायित्व संभाल सकता है, ये हमारे संविधान की असाधारण शक्ति का प्रमाण है। ये हमारे संविधान की ही देन है कि आज किसी व्यक्ति के जन्म की परिस्थितियां उसके भविष्य की सीमाएं तय नहीं करतीं। हमने अपने विनम्र प्रयासों से संविधान को और अधिक सशक्त बनाकर कृतज्ञता के इस ऋण को चुकाने की कोशिश की है।

प्रख्यात संवैधानिक विशेषज्ञ ग्रैनविले ऑस्टिन ने हमारे संविधान को Òfirst and foremost a social documentÓ बताया था। सामाजिक और आर्थिक न्याय की भावना हमारे संविधान के मूल में समाहित है। ऐसे में संविधान निर्माताओं के इस बहुमूल्य सपने को साकार करने के प्रयासों से अधिक संतोषजनक और क्या हो सकता है?

विश्व बैंक की हाल में आई एक रिपोर्ट बताती है कि भारत के करीब 50 करोड़ लोग अत्यंत गरीबी से बाहर निकले हैं। पीढ़ियों से चले आ रहे अभावों से मुक्ति पाकर आज करोड़ों माता-पिता अपने बच्चों के बेहतर भविष्य के सपने देख पा रहे हैं। जब प्रधानमंत्री आवास योजना के माध्यम से किसी परिवार को झोपड़ी से निकलकर पक्के मकान में गृह प्रवेश का अवसर मिलता है, तब गरिमापूर्ण जीवन जीने का संवैधानिक संकल्प सही मायनों में साकार होता है। जब उज्ज्वला योजना किसी मां को धुएं से भरी रसोई की तकलीफों से मुक्ति दिलाती है, तब हम समानता और जनकल्याण के आदर्शों को आगे बढ़ाते हैं।

जब आयुष्मान भारत की वजह से किसी गरीब परिवार को कर्ज की चिंता किए बिना अच्छा इलाज मिलता है, तब उसके जीवन में सामाजिक न्याय का संकल्प साकार होता है। जब मुद्रा योजना और पीएम स्वनिधि के तहत छोटे उद्यमियों और रेहड़ी-पटरी वालों को बिना गारंटी के ऋण मिलता है, तब आर्थिक न्याय की संवैधानिक भावना जमीन पर उतरती है। जब डिजिटल टेक्नोलॉजी, रूपे कार्ड और यूपीआई जैसे प्लेटफॉर्म तक हर नागरिक की पहुंच होती है, तब समावेशिता का संवैधानिक आदर्श साकार होता है। पहले इसे कुछ विशेषाधिकार प्राप्त लोगों तक ही सीमित कर दिया गया था।

संविधान की शक्ति से सामान्य मानवी को सशक्त बनाने के आज ऐसे कई और उदाहरण हैं। हमारी सरकार द्वारा किए गए संविधान संशोधनों को भी इसी दृष्टिकोण से देखा जा सकता है। 101वें संविधान संशोधन से जीएसटी जैसे बड़े सुधार का रास्ता खुला, जिसका लंबे समय से इंतजार था। 102वें संविधान संशोधन के माध्यम से राष्ट्रीय पिछड़ा वर्ग आयोग को संवैधानिक दर्जा मिला। इससे समाज के वंचित वर्गों का वर्षों पुराना सपना पूरा हुआ। हमारी सरकार द्वारा किए गए 103वें संविधान संशोधन को भी लोगों ने सराहा। इसके तहत आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों के लिए 10 प्रतिशत आरक्षण की व्यवस्था की गई। इससे लंबे समय तक आरक्षण व्यवस्था के दायरे से बाहर रहने वाले समुदायों को लाभ हुआ। आर्थिक रूप से वंचित परिवारों की आकांक्षाओं को पूरा करने की दिशा में यह एक महत्वपूर्ण कदम था। 1950 के बाद पहली बार आज हमारे संविधान का अपडेटेड वर्जन आठवीं अनुसूची में शामिल सभी 22 भाषाओं में उपलब्ध है। इससे हमारा संविधान जनसामान्य के और करीब आया है।

1950 में संविधान लागू होने के बाद भी हमारे देश में 1860 के दशक में, गुलामी के दौर में बनी दंड संहिता ही लागू रही। भारतीय न्याय संहिता के माध्यम से हमने अपने क्रिमिनल जस्टिस सिस्टम में मौलिक बदलाव लाने का प्रयास किया है। गुलामी के दौर की व्यवस्था में दंड पर जोर था। भारतीय न्याय संहिता का जोर नागरिक आधारित व्यवस्था और न्याय पर है। बीते एक दशक में हमने नागरिकों के कर्तव्यों पर विशेष बल दिया है। हमारी सभ्यता में समाज के हर व्यक्ति को उसकी भूमिका से जुड़े कर्तव्यों और जिम्मेदारियों का बोध कराने की परंपरा रही है। स्वच्छ भारत से लेकर जल संरक्षण और पर्यावरण संरक्षण तक, अनेक जन आंदोलनों में हमें कर्तव्य की इसी भावना के दर्शन हुए हैं।

यहां मैं एक और सच्चाई देशवासियों के साथ साझा करना चाहता हूं। हमारे इतिहास में ऐसे अवसर भी आए हैं, जब उन्हीं लोगों ने संविधान को कमजोर करने का रास्ता चुना, जिन पर इसकी रक्षा का दायित्व था। विडंबना देखिए कि ये वही लोग हैं, जिन्हें पांच दशकों तक देश की बागडोर संभालने का अवसर मिला।

इस वर्ष, 1951 में हुए पहले संविधान संशोधन के 75 साल पूरे हो चुके हैं। उस समय देश में एक ऐसी सरकार थी, जिसे जनता ने चुनकर नहीं भेजा था। उस सरकार ने अंतरिम संसद में अपने बहुमत का इस्तेमाल करके नागरिकों की मौलिक आजादी छीन ली थी। यह संशोधन देश के पहले आम चुनाव से कुछ ही महीने पहले किया गया था। इससे साफ है कि इसका उद्देश्य चुनाव प्रक्रिया को प्रभावित करना और लोगों के विरोध की आवाज को दबाना था। इसी प्रकार आपातकाल के दौरान किए गए 42वें संविधान संशोधन के भी 50 साल पूरे हो रहे हैं। इस संशोधन ने न्यायिक समीक्षा की शक्ति को सीमित किया और देश की संस्थाओं के बीच शक्तियों के संतुलन को बुनियादी रूप से बदल दिया। मैं युवाओं से यह भी आग्रह करूंगा कि वे 38वें और 39वें संविधान संशोधनों का भी अध्ययन करें। इससे वे समझ सकेंगे कि सत्ता की लालची और संविधान-विरोधी सोच रखने वाली सरकार किस स्तर तक जा सकती है।

चुनी हुई राज्य सरकारों को बर्खास्त करने के लिए बार-बार आर्टिकल 356 का दुरुपयोग भी हमारे इतिहास का एक चिंताजनक अध्याय है। एक राजनीतिक दल के नाम करीब सौ बार आर्टिकल 356 थोपने का रिकॉर्ड दर्ज है। एक पूर्व प्रधानमंत्री ने तो इस मामले में अर्धशतक भी लगाया है।

हमारे संविधान निर्माताओं की अपेक्षा थी कि पूरे भारत में संविधान अपने मूल स्वरूप और अपनी मूल भावना के साथ लागू हो। लेकिन 70 साल से भी अधिक समय तक आर्टिकल 370 और 35-ए के कारण जम्मू-कश्मीर में हमारा पूरा संविधान लागू नहीं हो पाया। वहां एससी, एसटी, ओबीसी समाज और महिलाओं के अधिकारों का हनन होता रहा। 2019 में जाकर इस ऐतिहासिक अन्याय का अंत हुआ।

दशकों तक देश के अनेक हिस्सों में, खासकर आदिवासी क्षेत्रों में, नक्सलियों ने बंदूक के दम पर सबसे गरीब व्यक्ति को उन अधिकारों से वंचित रखा, जो हमारे संविधान ने उसे दिए हैं। इस वर्ष नक्सलवाद के खात्मे से मुझे विशेष संतोष मिला है। अब गरीब से गरीब व्यक्ति भी बिना किसी भय के अपने संवैधानिक अधिकारों का इस्तेमाल कर सकता है। हथियारी नक्सली समाप्त होने के बाद अब केवल दिमागी नक्सली बचे हैं। वो आज के दौर की वास्तविकताओं से कोसों दूर हैं और देश की विकास यात्रा को पटरी से उतारने की कोशिशों में लगातार जुटे हैं।

ये बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है कि विपक्ष की सबसे बड़ी पार्टी ओबीसी आरक्षण में कटौती करके मुसलमानों को आरक्षण देना चाहती है। हमारे संविधान निर्माता, विशेषकर डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर, इसके पूरी तरह खिलाफ थे।

हमारे संविधान की यात्रा उन असाधारण महिलाओं के स्मरण के बिना भी अधूरी है, जिन्होंने इसे आकार देने में अहम भूमिका निभाई। लेकिन इस साल के शुरू में जो हुआ, उसने हम सभी को शर्मसार कर दिया। नारीशक्ति को विधायी संस्थाओं में पर्याप्त प्रतिनिधित्व देने के उद्देश्य से लाए गए विधेयक को विपक्ष के एक प्रमुख दल ने पारित नहीं होने दिया। एक बार फिर उसने दिखाया है कि संवैधानिक मूल्यों के प्रति उसके मन में कितना कम सम्मान है। मैं देश की नारीशक्ति को भरोसा दिलाता हूं कि उन्हें न्याय दिलाने के हमारे संकल्प को दुनिया की कोई ताकत रोक नहीं सकती।

हमारे संवैधानिक लोकतंत्र में विपक्ष की भूमिका स्पष्ट रूप से तय है। दुर्भाग्य से विपक्ष की सबसे बड़ी पार्टी आज विरोध पक्ष से ज्यादा अवरोध पक्ष बनती जा रही है। उसे समझना चाहिए कि लोकतांत्रिक प्रक्रियाओं में बाधा डालना, अपनी संवैधानिक जिम्मेदारियां निभाने का विकल्प कभी नहीं हो सकता।

आज भारत एक बेहद अहम मोड़ पर खड़ा है। वर्ष 2047 तक विकसित भारत बनाने के हमारे सामूहिक प्रयासों को दो सरल लेकिन शक्तिशाली मंत्र दिशा दे सकते हैं... हमारी सोच में 'राष्ट्र प्रथम' और हमारे हर कार्य में 'कर्तव्य भाव'। इन दो मंत्रों को अपना मार्गदर्शक बनाकर और संविधान से शक्ति लेते हुए हम आने वाली पीढ़ियों का उज्ज्वल भविष्य सुनिश्चित कर सकते हैं।

बाबासाहेब का सम्मान और सामाजिक न्याय का संकल्प : मोदी युग की ऐतिहासिक पहल

तोखन साहू



26 नवंबर वह ऐतिहासिक दिन है, जब 1949 में भारत ने अपने संविधान को अंगीकार किया। संविधान दिवस के इस अवसर पर यह लेख संविधान के मुख्य शिल्पकार परम पूज्य बाबासाहेब डॉ. भीमराव अंबेडकर के योगदान, ऐतिहासिक तथ्यों और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व में उनकी विरासत को मिले सम्मान व संस्थागत रूप को रेखांकित करता है।

संविधान केवल विधि के अनुच्छेदों का संकलन नहीं, बल्कि हमारी सहस्राब्दियों पुरानी सांस्कृतिक चेतना और 'वसुधैव कुटुम्बकम्' व 'सर्वे भवन्तु सुखिनः' जैसे जीवन-मूल्यों का आधुनिक स्वरूप है। वैशाली के प्राचीन गणराज्य से लेकर 'राजधर्म' की परंपरा तक, लोकतंत्र और कर्तव्यबोध हमारी जड़ों में रहे हैं। मूल संविधान की पांडुलिपि में रामायण, महाभारत, भगवान बुद्ध, महावीर, छत्रपति शिवाजी महाराज और गुरु गोबिंद सिंह जी के चित्र हमारी सांस्कृतिक निरंतरता को दर्शाते हैं।

आज़ादी से पूर्व देश के सामने सामाजिक विषमता, छुआछूत, जातिगत भेदभाव और अभाव की गंभीर चुनौतियाँ थीं। कैबिनेट मिशन योजना के तहत 1946 में गठित संविधान सभा (पहली बैठक 9 दिसंबर 1946) ने 2 वर्ष, 11 महीने और 18 दिनों के परिश्रम, 11 सत्रों में 165 दिनों की चर्चा और लगभग 60 देशों के संविधानों के अध्ययन के बाद 26 नवंबर 1949 को संविधान अपनाया तथा 26 जनवरी 1950 को इसे लागू किया। 29 अगस्त 1947 को गठित सात सदस्यीय प्रारूप समिति के अध्यक्ष के रूप में डॉ. अंबेडकर की भूमिका निर्णायक रही। 14 अप्रैल 1891 को महू में सूबेदार रामजी मालोजी सकपाल के घर चौदहवीं संतान के रूप में जन्मे बाबासाहेब ने कोलंबिया विश्वविद्यालय, लंदन स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स और ग्रेज़ इन से उच्च शिक्षा व डॉक्टरेट प्राप्त की। उन्होंने मौलिक अधिकार, वंचितों व पिछड़ों के लिए आरक्षण, महिलाओं को समानता और 'एक व्यक्ति, एक वोट' का अधिकार दिलाया, साथ ही भारतीय रिज़र्व बैंक और वित्त आयोग की नींव रखने में महत्वपूर्ण योगदान दिया।

इतिहास के तथ्यों में यह भी दर्ज है कि स्वतंत्रता के बाद लंबे समय तक सत्ता में रही कांग्रेस के साथ बाबासाहेब के गंभीर वैचारिक और राजनीतिक मतभेद रहे। 1952 के पहले आम चुनाव में बॉम्बे उत्तर-मध्य सीट से उन्हें हराने के लिए उनके पूर्व सहयोगी नारायण सदोबा काजरोलकर को उतारा गया और स्वयं तत्कालीन प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू ने उनके विरुद्ध प्रचार किया; लगभग 15,000 मतों के अंतर से हार और 74,333 मतपत्रों की अस्वीकृति के विरुद्ध उन्होंने चुनाव याचिका भी दायर की। मंत्रिमंडल में उन्हें रक्षा और विदेश मामलों की समितियों से दूर रखा गया तथा महिलाओं के समान अधिकार से जुड़े 'हिंदू कोड बिल' पर सरकार के रुख से असहमत होकर उन्होंने 1951 में इस्तीफा दिया। काका कालेलकर और मंडल आयोग की सिफारिशों को दशकों तक लागू नहीं किया गया, जिसे 1990 में गैर-कांग्रेसी वी. पी. सिंह सरकार ने लागू किया। 6 दिसंबर 1956 को 26 अलीपुर रोड पर उनके निधन के बाद दिल्ली में अंतिम संस्कार व स्मारक, संसद के सेंट्रल हॉल में चित्र तथा 'भारत रत्न' सम्मान के लिए भी दशकों प्रतीक्षा करनी पड़ी। इसके अलावा, अनुच्छेद 356 का 90 से अधिक बार उपयोग, 25 जून 1975 से 21 मार्च 1977 का आपातकाल, 42वें संविधान संशोधन से न्यायिक शक्तियों में कटौती 1973 में वरिष्ठ न्यायाधीशों को छोड़कर ए. एन. रे को मुख्य न्यायाधीश बनाना, शाह बानो मामले के बाद 1986 का कानून और बाबासाहेब की चेतावनी के बावजूद जम्मू-कश्मीर में अनुच्छेद 370 लागू करना ऐसे बिंदु रहे जिन पर बहस होती रही है।

(केंद्रीय आवासन और शहरी कार्य राज्य मंत्री, भारत सरकार)

छत्तीसगढ़ में गरीब और मध्यम वर्ग के लिए सुरक्षा कवच बनी आयुष्मान योजना

धनंजय राठौर

स्वास्थ्य किसी भी समाज और राज्य के विकास की आधारशिला है। भारत सरकार द्वारा प्रारंभ की गई विश्व की सबसे बड़ी स्वास्थ्य बीमा योजना आयुष्मान भारत - प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना छत्तीसगढ़ राज्य में स्वास्थ्य सेवाओं की तस्वीर बदल रही है। छत्तीसगढ़ में इस योजना को राज्य की स्वास्थ्य योजनाओं के साथ एकीकृत कर शहीद वीर नारायण सिंह आयुष्मान स्वास्थ्य योजना के रूप में अत्यंत प्रभावी ढंग से लागू किया गया है। इसका मुख्य उद्देश्य राज्य के प्रत्येक पात्र परिवार को गंभीर बीमारियों के इलाज के दौरान होने वाले भारी आर्थिक बोझ से बचाना है।

सीएम साय की संवेदनशील कार्यशैली ने इस धारणा को पूरी तरह बदल दिया है। मुख्यमंत्री साय की दृढ़ इच्छाशक्ति, योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन से छत्तीसगढ़ में आयुष्मान भारत योजना कमजोर वर्ग और मध्यमवर्गीय परिवारों के लिए एक सुरक्षा कवच साबित हुआ है। केंद्र सरकार की आयुष्मान भारत योजना और राज्य सरकार की मुख्यमंत्री विशेष स्वास्थ्य सहायता योजना छत्तीसगढ़ के हर उस नागरिक का जीवन रक्षक कवच बन चुकी है, जो महंगे इलाज का खर्च उठाने में असमर्थ हैं।

योजना का स्वरूप और प्रमुख लाभ

छत्तीसगढ़ में आयुष्मान भारत योजना का विस्तार केवल केंद्रीय सूची तक सीमित नहीं है, बल्कि राज्य सरकार ने राशन कार्ड के माध्यम से लगभग सभी परिवारों को इसके दायरे में लाने का प्रयास किया है। पात्र परिवारों को देश और राज्य के पंजीकृत सरकारी और निजी अस्पतालों में पूरी तरह निःशुल्क और कैशलेस इलाज की सुविधा मिलती है। आयुष्मान कार्ड 2 करोड़ 71 लाख 11 हजार 762 के विरूद्ध 2 करोड़ 49 लाख 18 हजार 115 कार्ड बनाए जा चुके हैं। जो लक्ष्य का 91.9 प्रतिशत है, जिनमें सूरजपुर जिला 21 लाख 93 हजार 647 आयुष्मान कार्ड बनाकर 97 प्रतिशत उपलब्धि हासिल कर छत्तीसगढ़ राज्य में प्रथम स्थान पर है।

नियद नेल्ला-नार 2.0 के तहत दूरस्थ वनांचल और पूर्व नक्सल प्रभावित 10 जिलों बीजापुर, सुकमा, दंतेवाड़ा, कांकेर, नारायणपुर, बस्तर, कोण्डागांव, गरियाबंद, मोहला-मानपुर, अम्बागढ़ चौकी और छुईखदान में 93 प्रतिशत राशन कार्डधारी हितग्राहियों के आयुष्मान कार्ड बनाए जा चुके हैं। आयुष्मान योजना के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए वर्ष 2021 में राज्य को छह श्रेणियों में से चार श्रेणियों में पुरस्कार मिले थे। इनमें तीन पुरस्कार आयुष्मान कार्ड पंजीयन और एक पुरस्कार लैंगिक समानता के लिए था।



अंत्योदय, प्राथमिकता वाले राशन कार्ड धारक और केंद्रीय सूची में सूचीबद्ध परिवारों को प्रति वर्ष प्रति परिवार 5 लाख रूपए तक का निःशुल्क स्वास्थ्य बीमा कवर प्रदान किया जाता है। वहीं अन्य पात्र सामान्य राशन कार्ड धारक परिवारों को राज्य योजना के अंतर्गत 50 हजार रूपए तक की चिकित्सा सहायता उपलब्ध है। जहां सामान्य और बड़ी बीमारियां आयुष्मान योजना के दायरे में आती हैं, वहीं कई बार कुछ दुर्लभ और बेहद गंभीर बीमारियां ऐसी होती हैं जिनका खर्च लाखों में होता है। छत्तीसगढ़ सरकार की मुख्यमंत्री विशेष स्वास्थ्य सहायता योजना में गंभीर व दुर्लभ बीमारियों के इलाज के लिए अधिकतम 25 लाख रुपये तक की वित्तीय सहायता प्रदान करने का प्रावधान किया गया है। इस योजना के तहत लिवर प्रत्यारोपण, किडनी ट्रांसप्लांट, हृदय रोग, कैंसर, कोक्लियर इम्प्लांटऔर दुर्लभ अनुवांशिक बीमारियों जैसी उच्च लागत वाली चिकित्सा प्रक्रियाओं के लिए सीधे अस्पतालों को राशि जारी की जाती है।

जनवरी 2024 से अब तक 3,281 हितग्राहियों के लिए योजना के तहत कुल 203.07 करोड़ रुपये की सहायता राशि स्वीकृत की गई है। योजना के अंतर्गत कैंसर के इलज के लिए 2,476 मामलों में 115.48 करोड़ रुपये, बोन मैरो ट्रांसप्लांट के 205 मामलों के लिए 27.06 करोड़ रुपये, डायलिसिस के 686 मामलों के लिए 17.18 करोड़ रुपये और हृदय संबंधी उपचार के 371 मामलों के लिए 17.08 करोड़ रुपये की सहायता स्वीकृत हुई है। इसके अलावा किडनी ट्रांसप्लांट के 144 मामलों में 5.41 करोड़ और लिवर ट्रांसप्लांट के 31मामलों में 5.57 करोड़ रुपये की सहायता दी गई है। इन योजनाओं से अब तक ऐसे अनेकों गरीब मरीजों को नया जीवन मिला है, जिन्होंने महंगे इलाज की उम्मीद बिल्कुल छोड़ दी थी।

5 लाख रूपए तक का निःशुल्क स्वास्थ्य कवर

आयुष्मान वय वंदना कार्ड के तहत 70 वर्ष या उससे अधिक आयु के सभी वरिष्ठ नागरिकों को (चाहे उनकी आय या सामाजिक स्थिति कुछ भी हो) 5 लाख रूपए तक का निःशुल्क स्वास्थ्य कवर प्रदान किया जा रहा है। इस योजना की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि इसमें पहले से मौजूद बीमारियों का इलाज भी कार्ड बनने के पहले दिन से ही कवर होता है। इलाज के पैकेज में अस्पताल में भर्ती होने से पहले की जांच, दवाइयां और डिस्चार्ज के बाद का फॉलो-अप खर्च या अस्पताल में भर्ती होने से पहले और बाद का खर्च भी शामिल होता है। आयुष्मान वय वंदना कार्ड 8 लाख 71 हजार 717 के विरूद्ध 6 लाख 23 हजार 220 कार्ड बनाए गए हैं। जो लक्ष्य का 71.5 प्रतिशत है। 2 लाख 48 हजार 497 आयुष्मान वय वंदना कार्ड बनाने में बस्तर जिला प्रथम स्थान पर 89.8 प्रतिशत उपलब्धि हासिल कर छत्तीसगढ़ राज्य में प्रथम स्थान पर है।

छत्तीसगढ़ में योजना का प्रभाव और उपलब्धियां

छत्तीसगढ़ एक जनजातीय बाहुल्य और ग्रामीण आबादी वाला राज्य है, जहां महंगे निजी अस्पतालों में इलाज कराना एक आम परिवार के लिए असंभव सा था। आयुष्मान कार्ड ने इस खाई को पाटने का काम किया है। राज्य के दूरस्थ वनांचलों जैसे बस्तर और सरगुजा संभाग के नागरिक भी अब रायपुर, बिलासपुर, दुर्ग या देश के किसी भी बड़े शहर के पंजीकृत अस्पतालों में हृदय रोग, कैंसर, किडनी डायलिसिस, घुटने के प्रत्यारोपण और न्यूरोसर्जरी जैसी जटिल बीमारियों का मुफ्त इलाज करवा पा रहे हैं। इसके अतिरिक्त, ग्रामीण स्तर पर उप-स्वास्थ्य केंद्रों को आयुष्मान आरोग्य मंदिर के रूप में विकसित किया गया है, जहां प्राथमिक उपचार, मातृ-शिशु स्वास्थ्य, और मधुमेह तथा उच्च रक्तचाप जैसी बीमारियों की नियमित जांच और टेली-कंसल्टेशन की सुविधा मिल रही है। नजदीकी चॉइस सेंटर, लोक सेवा केंद्र या किसी भी पंजीकृत सरकारी और निजी अस्पताल में मौजूद आयुष्मान मित्र के माध्यम से निःशुल्क कार्ड बनवाया जा सकता है। किसी भी प्रकार की सहायता या शिकायत के लिए राज्य की हेल्पलाइन नंबर 104 या राष्ट्रीय टोल-फ्री नंबर 14555 पर संपर्क किया जा सकता है। छत्तीसगढ़ में करोड़ों नागरिकों के आयुष्मान कार्ड बन चुके हैं और लाखों लोगों ने इसका लाभ उठाया है, फिर भी कुछ चुनौतियां शेष हैं। आयुष्मान भारत योजना केवल एक सरकारी कार्यक्रम नहीं, बल्कि गरीब और मध्यमवर्गीय परिवारों के लिए एक सुरक्षा कवच बन चुकी है। सुनिश्चित किया है कि पैसे के अभाव में किसी भी नागरिक का इलाज न रुके, जो स्वस्थ छत्तीसगढ़, समृद्ध छत्तीसगढ़ के संकल्प को साकार कर रहा है।

संयुक्त संचालक, जनसंपर्क

ITR फाइल 500/-
Whatsapp पर बनवाएँ
Income Tax फाइल, GST रजिस्ट्रेशन, TDS रिफंड, प्रोजेक्ट रिपोर्ट
CMA DATA, MSME, BALANCE SHEET, फूड लाइसेंस
हमारे Tax Expert आपकी मदद हेतु तैयार है।
सम्पर्क - शेखर गुप्ता 9300755544 - 8878655544
www.onlytds.com

श्रीकंचनपथ
भिलाई-दुर्ग

प्रिंट और डीजिटल मीडिया में
सभी प्रकार के विज्ञापन के लिए
संपर्क करे
Mob.-:
9303289950
7987166110

प्रमुख खबरें

श्रम कार्ड संशोधन शिविरों को मिल रहा श्रमिकों का अच्छा प्रतिसाद

दुर्ग। जिले में श्रम विभाग के अंतर्गत पंजीकृत श्रमिकों को विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं का निरंतर लाभ दिलाने के उद्देश्य से आयोजित किए जा रहे श्रम कार्ड अद्यतन शिविरों को श्रमिकों का भरपूर प्रतिसाद (रिस्पॉन्स) मिल रहा है। कलेक्टर श्री अभिजीत सिंह के मार्गदर्शन में ग्राम पंचायतों एवं नगरीय निकायों में लगाए जा रहे इन शिविरों में बड़ी संख्या में श्रमिक पहुंचकर अपना श्रम कार्ड अद्यतन / संशोधन कार्य करवा रहे हैं। सहायक श्रमायुक्त ने बताया कि श्रम विभाग द्वारा योजनाओं की राशि और सुविधाएं सीधे वास्तविक एवं पात्र हितग्राहियों तक पहुंचाने के लिए विभागीय डेटाबेस को आधार कार्ड के अनुरूप सत्यापित किया जा रहा है। इस कार्य के लिए कॉमन सर्विस सेंटर को अधिकृत किया गया है, जिनके संचालकों द्वारा क्षेत्रवार शिविर लगाकर श्रमिकों को यह सुविधा उनके घर के नजदीक ही उपलब्ध कराई जा रही है। शिविरों में मिल रहे उत्साहजनक परिणामों से डेटाबेस अद्यतन के कार्य में तेजी आई है।

सेलूद-जामगांव-रानीतराई-पाटन मार्ग का होगा डामर नवीनीकरण

दुर्ग। जिला दुर्ग के सेलूद-जामगांव-रानीतराई-पाटन मार्ग (लंबाई 38.00 किमी) के डामर नवीनीकरण कार्य के लिए लगभग 17.11 करोड़ की प्रशासकीय स्वीकृति प्राप्त हुई थी। कार्य की निविदा आमंत्रित कर एजेंसी का चयन किया गया और संबंधित ठेकेदार को कार्य आदेश जारी कर दिया गया है। यह कार्य विभागीय प्राथमिकता में शामिल है। लोक निर्माण विभाग के कार्यपालन अभियंता श्री ए.के. भट्टाचार्य ने बताया कि इस मार्ग का निर्माण वर्ष 2019 में छत्तीसगढ़ रोड एंड इन्फ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट कॉर्पोरेशन लिमिटेड द्वारा किया गया था। निर्माण को सात वर्ष पूरे होने और मार्ग के महत्व को देखते हुए इसका नवीनीकरण कराया जा रहा है। यह पाटन विकासखंड का महत्वपूर्ण मार्ग है, जो सेलूद, फेकारी, गाड़ाडीह, आमालोरी, पौहा, कुम्हली, जामगांव (आर), भरर, करेला, दिघारी, औसर, रानीतराई, असोगा, खर्रा और तेलीगुंडरा गांवों को पाटन मुख्यालय से जोड़ता है। साथ ही यह दुर्ग से धमतरी व बालोद के आवागमन के लिए भी उपयोगी है। रानीतराई स्थित महाविद्यालय के विद्यार्थियों और यात्रियों को भी इससे सुविधा मिलती है।

बीआईटी में एडब्ल्यूएस अकादमी और छात्र समूह की शुरुआत

भिलाई। बीआईटी में एडब्ल्यूएस अकादमी और एडब्ल्यूएस छात्र बिल्डर समूह की शुरुआत की गई। इसके जरिए विद्यार्थियों को क्लाउड कंप्यूटिंग, कृत्रिम बुद्धिमत्ता और अन्य उभरती तकनीकों में संरचित प्रशिक्षण के साथ व्यावहारिक कौशल विकसित करने का अवसर मिलेगा। मानसेवी सचिव आईपी मिश्रा ने कहा कि संस्थान उद्योग की जरूरतों के अनुरूप प्रशिक्षण उपलब्ध कराने पर लगातार काम कर रहा है। यह मंच विद्यार्थियों को उद्योगोन्मुख कौशल से जोड़ने में मदद करेगा।

बार-बार पाइपलाइन टूटने से पेयजल आपूर्ति प्रभावित, नई लाइन बिछाने दिया आवेदन

दुर्ग में कलेक्टर जनदर्शन : अलग अलग समस्याओं के मिले 63 आवेदन

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। जिला कार्यालय के सभाकक्ष में कलेक्टर अभिजीत सिंह ने जनदर्शन कार्यक्रम में पहुंचे जनसामान्य लोगों से मुलाकात कर उनकी समस्याएं सुनी। उन्होंने जनदर्शन में पहुंचे सभी लोगों की समस्याओं को गंभीरता से सुना और समुचित समाधान एवं निराकरण करने संबंधित विभागों को शीघ्र कार्यवाही कर आवश्यक पहल करने को कहा। जनदर्शन में संयुक्त कलेक्टर श्री राहुल कुमार रजक भी उपस्थित थे। जनदर्शन में अवैध कब्जा, आवासीय पट्टा, प्रधानमंत्री आवास, भूमि सीमांकन कराने, सीसी रोड निर्माण, ऋण पुस्तिका सुधार, आर्थिक सहायता राशि दिलाने सहित विभिन्न मांगों एवं समस्याओं से संबंधित 63 आवेदन प्राप्त हुए।

इसी कड़ी में नगर निगम क्षेत्र के वार्ड क्रमांक 58 उरला में पेयजल पाइपलाइन बार-बार टूटने से रहवासियों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। समस्या के निराकरण के लिए वार्डवासियों ने नई पाइपलाइन बिछाने आवेदन दिया। उन्होंने



बताया कि अमृत मिशन योजना के तहत सभी घरों में लंबे पाइपलाइन कनेक्शन दिए गए हैं। इस मार्ग से बड़े वाहनों के आवागमन के कारण पाइपलाइन बार-बार टूट जाती है, जिससे घरों में पेयजल आपूर्ति बाधित होती है। पाइपलाइन की मरम्मत के बाद भी कुछ दिनों में फिर टूटने की समस्या सामने आ रही है। वार्डवासियों ने नई पाइपलाइन बिछाने की मांग की है, ताकि क्षेत्र में पेयजल समस्या का स्थायी समाधान हो सके।

बारिश एवं आंधी-तूफान के कारण मकान क्षतिग्रस्त

विकासखंड दुर्ग के ग्राम भेड़सर निवासी ने भारी बारिश एवं आंधी-तूफान के कारण मकान क्षतिग्रस्त होने के कारण आर्थिक सहायता प्रदान करने आवेदन दिया। आवेदक ने बताया कि तेज आंधी-तूफान एवं बारिश के कारण उनका मकान पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। आवेदक का परिवार आर्थिक रूप से कमजोर है तथा परिवार के सदस्य शारीरिक रूप से भी कमजोर होने के कारण मजदूरी एवं अन्य कार्य करने में असमर्थ हैं। मकान क्षतिग्रस्त होने से परिवार के सामने रहने और जीवनयापन की समस्या उत्पन्न हो गई है। इस पर कलेक्टर ने तहसीलदार दुर्ग को मकान क्षति(आपदा) के तहत नियमानुसार आवश्यक कार्यवाही करने को कहा।

सड़क निर्माण की मांग

ग्राम पंचायत चंदखुरी के ग्रामीणों ने सड़क निर्माण करवाने आवेदन दिया। ग्रामीणजनों ने बताया कि वार्ड क्रमांक 1 में रोड सीमेंटीकरण नही होने से ग्रामीणों को आवागमन में परेशानी हो रही है। लगभग 50 मीटर सड़क का सीमेंटीकरण कार्य नहीं होने से बारिश के दौरान कीचड़ एवं जलभराव की स्थिति बनी रहती है। उक्त सड़क का निर्माण लंबे समय से लंबित है। इस संबंध में ग्राम सरपंच को भी बताया गया है। इस पर कलेक्टर ने जनपद पंचायत सीईओ को निरीक्षण कर नियमानुसार आवश्यक कार्यवाही करने को कहा।

भिलाई में होगा राष्ट्रीय सीए विद्यार्थी महा सम्मेलन 'वर्चस्व' का आयोजन



■ 27 एवं 28 नवंबर को आईसीएआई भवन में होगा समारोह

भिलाई। इंस्टीट्यूट ऑफ चार्टर्ड अकाउंटेंट्स ऑफ इंडिया की भिलाई शाखा अपनी स्थापना के 25 गौरवशाली वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में 27 एवं 28 नवंबर 2026 को कला मंदिर, सिविक सेंटर, भिलाई में दो दिवसीय राष्ट्रीय सीए विद्यार्थी महा सम्मेलन 'वर्चस्व' एवं भव्य सिल्वर जुबली समारोह का आयोजन कर रही है।

ICAI के बोर्ड ऑफस्टडीज, नई दिल्ली द्वारा आयोजित एवं ICAI भिलाई शाखा की मेजबानी में होने वाले इस राष्ट्रीय सम्मेलन में केंद्रीय क्षेत्र से 500 से अधिक सीए विद्यार्थियों के शामिल होने की संभावना है। सम्मेलन का उद्देश्य विद्यार्थियों को तकनीकी ज्ञान, व्यावसायिक कौशल, नेतृत्व क्षमता एवं उद्यमिता के क्षेत्र में नई दिशा प्रदान करना है। सम्मेलन में चार तकनीकी सत्र आयोजित होंगे, जिनमें भिलाई एवं अन्य शहरों से चयनित 12 पेपर प्रेजेंटर्स आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, स्टार्टअप इकोसिस्टम, ग्लोबल मार्केट एवं बदलती व्यावसायिक संभावनाओं जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर अपने शोधपत्र प्रस्तुत करेंगे।

विद्यार्थियों के व्यक्तित्व एवं कौशल विकास के लिए तीन विशेष Skill Up Sessions भी आयोजित किए जाएंगे। इनमें सीए श्रेया जायसवाल (मुंबई), सीए हीना सिंघल एवं सीए फेनिल शाह (गुजरात) विद्यार्थियों को कम्युनिकेशन, प्रेजेंटेशन, पर्सनालिटी डेवलपमेंट एवं प्रोफेशनल स्किल्स पर मार्गदर्शन देंगे। 27 नवंबर को ICAI बोर्ड ऑफ स्टडीज के चेयरमैन सीए राजेश शर्मा जी विशेष रूप से दिल्ली से भिलाई पहुंचकर विद्यार्थियों से सीधा संवाद करेंगे।

निगम ने चलाया सफाई अभियान

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। नगर पालिक निगम भिलाई द्वारा शहर में स्वच्छता व्यवस्था को बेहतर बनाए रखने के उद्देश्य से लगातार सफाई अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में निगम क्षेत्रांतर्गत वार्ड क्रमांक 17 स्थित आकाश गंगा इंडियन कॉफी हाउस के पीछे साफ-सफाई अभियान चलाया गया।

उक्त क्षेत्र में सब्जी मंडी संचालित होने के कारण प्रतिदिन बड़ी मात्रा में कचरा एकत्रित हो जाता है। विशेषकर सब्जियों से निकलने वाले अपशिष्ट के कारण आसपास गंदगी फैल जाती है। इसे देखते हुए निगम के सफाई कर्मचारियों की टीम द्वारा मौके पर पहुंचकर व्यापक साफ-सफाई कराई गई। कर्मचारियों ने सब्जियों के अवशेष एवं अन्य जमा कचरे को एकत्रित कर हटाया तथा पूरे क्षेत्र की सफाई की। इसके साथ ही आसपास की नालियों में फंसे कचरे एवं गंदगी को भी बाहर निकाला गया, जिससे नालियों में पानी का बहाव सुचारू हो सके। नियमित सफाई के माध्यम से



क्षेत्र में गंदगी और जलभराव की समस्या को रोकने का प्रयास किया जा रहा है। नगर निगम द्वारा नागरिकों एवं सब्जी व्यापारियों से अपील की गई है कि वे सब्जियों के अपशिष्ट एवं अन्य कचरे को निर्धारित स्थान पर ही डालें। सड़क, बाजार एवं नालियों में कचरा न फेंकें, ताकि शहर की स्वच्छता व्यवस्था बनी रहे। स्वच्छ भिलाई के निर्माण में निगम के साथ नागरिकों की सहभागिता भी आवश्यक है।

बीएसपी के ब्लास्ट फर्नेस में सीडीआई-6 के लिए की गई दो गैस एनालाइज़र प्रणालियों की सफल कमीशनिंग

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। बीएसपी के इंस्ट्रूमेंटेशन विभाग द्वारा ब्लास्ट फर्नेस के नवनिर्मित एवं उन्नतिकृत सीडीआई-6 सिस्टम में दो अत्याधुनिक गैस एनालाइज़र प्रणालियों का सफलतापूर्वक कमीशनिंग किया गया। इन प्रणालियों की स्थापना से सीडीआई-6 की प्रक्रिया निगरानी एवं परिचालन सुरक्षा को और अधिक सुदृढ़ बनाने में मदद मिलेगी। आईपीयू योजना के अंतर्गत स्थापित इन गैस एनालाइज़र प्रणालियों के माध्यम से सीडीआई प्रक्रिया में कार्बन मोनोऑक्साइड एवं ऑक्सीजन के



स्तर का ऑनलाइन मापन एवं निरंतर निगरानी की जा सकेगी। इससे गैसों के महत्वपूर्ण मापदंडों पर बेहतर नियंत्रण स्थापित करने तथा प्रक्रिया के सुरक्षित एवं सुचारु संचालन में सहायता मिलेगी।

कोल डस्ट इंजेक्शन प्रक्रिया में ऑक्सीजन एवं कार्बन मोनोऑक्साइड के स्तर की सटीक निगरानी महत्वपूर्ण है। नई प्रणालियों से प्राप्त रियल-टाइम डेटा के आधार पर परिचालन संबंधी निर्णय लेने में सुविधा होगी तथा संभावित जोखिमों की समय रहते पहचान कर आवश्यक कदम उठाए जा सकेंगे। इन गैस एनालाइज़र प्रणालियों का उद्घाटन मुख्य महाप्रबंधक मनोज कुमार, मुख्य महाप्रबंधक विवेक वर्मा एवं मुख्य महाप्रबंधक बीमधु पिल्लई द्वारा किया गया।

इन प्रणालियों की स्थापना एवं कमीशनिंग महाप्रबंधक एएम डैनी के नेतृत्व एवं मार्गदर्शन में संपन्न हुई। इस कार्य में उप महाप्रबंधक एएस रेड्डी, उप महाप्रबंधक ए आनंद, इंस्ट्रूमेंटेशन विभाग, ब्लास्ट फर्नेस की पूरी टीम एवं उप महाप्रबंधक पवन वर्मा का महत्वपूर्ण योगदान रहा। इस कार्य के सफल निष्पादन में पीपी एंड ई, एमएम-आईपीएम, सिविल इंजीनियरिंग विभाग तथा ब्लास्ट फर्नेस के विभिन्न अनुभागों का भी सराहनीय सहयोग प्राप्त हुआ।

शहर के आखिरी छोर तक पहुंचेगी रोशनी, स्ट्रीट लाइट संधारण के लिए नई एजेंसी को कार्यादेश जारी

■ महापौर की पहल पर प्रकाश व्यवस्था को बेहतर बनाने निगम की बड़ी कार्रवाई

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। नगर पालिक निगम दुर्ग शहर की मार्ग प्रकाश व्यवस्था को व्यवस्थित, सुचारू एवं बेहतर बनाने के लिए लगातार प्रयासरत है।महापौर अलका बाघमार के प्रयासों से वित्तीय वर्ष 2026-27 के लिए शहर में स्थापित स्ट्रीट लाइटों के संचालन, संधारण, देखरेख एवं रखरखाव हेतु नई एजेंसी मेसर्स वाई.आर.सिंह को कार्यादेश जारी किया जा रहा है।



निगम की इस पहल से शहर के सभी वार्डों, प्रमुख मार्गों, मोहल्लों एवं अंतिम छोर तक प्रकाश व्यवस्था सुनिश्चित करने की दिशा में प्रभावी कदम उठाया गया है। नगर निगम द्वारा शहर के सभी 60 वार्डों में स्ट्रीट लाइट व्यवस्था को बेहतर बनाने के लिए 1.30 करोड़ रुपये खर्च किए जाएंगे, जिससे शहर की हर गली, मोहल्ले और प्रमुख मार्गों पर रोशनी सुनिश्चित होगी।

नई एजेंसी द्वारा नगर निगम क्षेत्र में स्थापित विद्युत पोलों पर लगी स्ट्रीट लाइटों, सायंकालीन टाइमर व्यवस्था तथा विभिन्न वार्डों में खराब एवं बंद पड़ी लाइटों का नियमित संधारण एवं सुधार कार्य किया जाएगा। इससे स्ट्रीट लाइट बंद होने की समस्याओं का समयबद्ध निराकरण होगा और शहर की मार्ग प्रकाश व्यवस्था अधिक व्यवस्थित बनी रहेगी।उल्लेखनीय है कि पूर्व में ईएसएल द्वारा स्ट्रीट लाइट संधारण का कार्य किया जा रहा था, जिसकी कार्य अवधि 31 अगस्त 2026 को समाप्त हो गई थी। इसके बाद पहली बार निगम प्रशासन द्वारा विधिवत निविदा प्रक्रिया अपनाकर नई एजेंसी का चयन किया गया है। नई व्यवस्था के तहत नियमित निगरानी, खराब लाइटों की शीघ्र मरम्मत तथा बेहतर रखरखाव सुनिश्चित किया जाएगा।जानकारी के मुताबिक लगभग 13 कर्मचारियों की टीम शहर के सभी क्षेत्रों में लगातार भ्रमण कर बंद एवं खराब स्ट्रीट लाइटों की मरम्मत और रखरखाव का कार्य करेगी। इसके अलावा, जिन चौक-चौराहों एवं स्थानों पर पर्याप्त रोशनी नहीं है और अंधेरा बना रहता है, वहां आवश्यकता अनुसार नए ट्यूबलर पोल लगाकर प्रकाश व्यवस्था को बेहतर बनाया जाएगा, ताकि शहर के हर क्षेत्र में सुचारू एवं पर्याप्त रोशनी सुनिश्चित हो सके।

महापौर ने कहा हर वार्ड तक रोशनी पहुंचाना प्राथमिकता

महापौर अलका बाघमार ने कहा कि शहर के प्रत्येक वार्ड में बेहतर प्रकाश व्यवस्था उपलब्ध कराना निगम की प्राथमिकताओं में शामिल है। स्ट्रीट लाइट केवल शहर की सुंदरता ही नहीं, बल्कि नागरिकों की सुविधा, सुरक्षा और सुगम आवागमन से भी जुड़ी महत्वपूर्ण व्यवस्था है। उन्होंने कहा कि शहर के प्रमुख मार्गों से लेकर मोहल्लों और अंतिम छोर तक रोशनी पहुंचाने के लिए निगम लगातार काम कर रहा है। नई एजेंसी के माध्यम से खराब एवं बंद पड़ी लाइटों को समय पर दुरुस्त किया जाएगा और स्ट्रीट लाइट व्यवस्था के संधारण में लापरवाही नहीं होने दी जाएगी। हमारा प्रयास है कि दुर्ग शहर का कोई भी क्षेत्र अंधेरे में न रहे और नागरिकों को बेहतर सुविधाएं मिलें।

भिलाई विद्यालय, सेक्टर-2 में वार्षिक क्रीड़ा दिवस-2026 का आयोजन

हाउसवार प्रतियोगिताओं के विजेता व खेल प्रतिभाओं का हुआ सम्मान

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। भिलाई विद्यालय, सेक्टर-2, भिलाई में वार्षिक क्रीड़ा दिवस का आयोजन हर्षोल्लास एवं उत्साह के साथ किया गया। समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में मुख्य महाप्रबंधक (मानव संसाधन) प्रशांत ओझा तथा विशिष्ट अतिथि के रूप में महाप्रबंधक (शिक्षा) शिखा दुबे उपस्थित थीं। इस अवसर पर महाप्रबंधक (नगर सेवाएं) राजेश कुमार साहू, बीएसपी के शिक्षा विभाग के अन्य अधिकारी तथा अभिभावक-शिक्षक समिति के सदस्य डॉ. सुधाकर सिंह भी उपस्थित थे।

इस दौरान हाउसवार प्रतियोगिताओं में चैरिटी हाउस को सर्वश्रेष्ठ मार्च पास्ट हाउस, पीस हाउस को सर्वश्रेष्ठ हाउस तथा



होप हाउस को उपविजेता घोषित किया गया। बालक एवं बालिका वर्ग की कबड्डी तथा रिले दौड़ प्रतियोगिताओं में पीस हाउस ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। वहीं, रस्साकशी प्रतियोगिता के बालक वर्ग में पीस हाउस तथा बालिका वर्ग में होप हाउस विजेता रहे। इस अवसर पर शिक्षकों के लिए भी चेयर रेस प्रतियोगिता आयोजित की गई तथा विजेताओं को सम्मानित किया गया।

कार्यक्रम का शुभारंभ मशाल प्रज्वलन, ध्वजारोहण एवं गुब्बारे छोड़ने के साथ हुआ। इसके पश्चात विद्यालय के चारों हाउस द्वारा आकर्षक मार्च पास्ट प्रस्तुत किया गया, जिसका नेतृत्व विद्यालय के छात्र कप्तान चंदन यादव ने किया। राष्ट्रीय स्तर के बास्केटबॉल खिलाड़ी ऋषभ कुमार सोनवानी ने खिलाड़ियों को खेल भावना एवं अनुशासन की शपथ दिलाई। विद्यार्थियों ने स्वागत गीत, ग़ज़ल तथा ड्रिल, गुजराती नृत्य एवं सूर्य नमस्कार सहित विविध सांस्कृतिक प्रस्तुतियों से समारोह को आकर्षक बनाया।

विद्यालय के प्राचार्य विजय सिंह पवार ने अतिथियों का स्वागत किया। वहीं, खेल प्रभारी एसएन साहू ने वार्षिक खेल प्रतिवेदन प्रस्तुत करते हुए गत वर्ष विभिन्न प्रतियोगिताओं में विद्यालय की उपलब्धियों की जानकारी दी। विद्यालय के विद्यार्थियों ने विभिन्न प्रतियोगिताओं में पांच स्वर्ण, चार रजत एवं दो कांस्य पदक प्राप्त किए। छत्तीसगढ़ राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में अंडर-19 बालक वर्ग में आलोक कुमार सागर को सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी घोषित किया गया। इसके अतिरिक्त नीरज कुमार साहू, विकास निषाद, कृष मौर्य, श्रद्धा सिंह, लिपिका राव एवं रिंकी पिल्लई ने भी अपनी-अपनी स्पर्धाओं में स्वर्ण पदक अर्जित किए।

मुख्य महाप्रबंधक प्रशांत ओझा ने उन्हें असफलताओं से सीख लेकर निरंतर प्रयास करते रहने तथा सफलता की दिशा में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया। महाप्रबंधक शिखा दुबे ने विद्यालय की उपलब्धियों की सराहना करते हुए शिक्षकों को उनके सामूहिक प्रयासों एवं समर्पण के लिए बधाई दी। कार्यक्रम का संचालन सुनीता अनिल एवं संगीता मिश्रा ने किया। वरिष्ठ व्याख्याता सरिता शाक्य ने धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत किया।

Since 1972
CROWN®-TV
Choice Of Millions
LED / Washing Machine
Cooler / Fridge
Available All Size
CONTACT :
Atlas Radio Traders (Crown)
Sect.-3, D-48, Ward No. 13
Devendra Nagar, Raipur (C.G.) 492009
Near Akash Gas Agency Line
Mob.: 98262 52372

खास खबर

घर बैठे मिला टोकन, आसानी से हुआ धान विक्रय, किसानों के चेहरे पर आई मुस्कान

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा किसानों की सुविधा और हितों को ध्यान में रखते हुए धान उपार्जन व्यवस्था को निरंतर सरल, सुगम और पारदर्शी बनाया जा रहा है। शासन की ऑनलाइन टोकन व्यवस्था किसानों के लिए बेहद लाभकारी साबित हो रही है। अब किसानों को टोकन प्राप्त करने के लिए उपार्जन केंद्रों के चक्कर लगाने की आवश्यकता नहीं पड़ रही है। किसान घर बैठे ही ऑनलाइन टोकन प्राप्त कर निर्धारित तिथि पर आसानी से अपना धान विक्रय कर पा रहे हैं। इससे किसानों के समय और श्रम की बचत होने के साथ ही धान विक्रय की प्रक्रिया भी सुविधाजनक हुई है। गौरेला-पेंड्रा-मरवाही जिले के मरवाही विकासखंड अंतर्गत ग्राम पंचायत परासी के किसान सुशील कुशवाहा भी शासन की इस व्यवस्था से लाभान्वित हो रहे हैं। उन्होंने बताया कि ऑनलाइन टोकन प्राप्त कर वे परासी धान उपार्जन केंद्र में अपना 16 क्विंटल धान विक्रय के लिए लेकर पहुंचे। ऑनलाइन टोकन की सुविधा मिलने से सहूलियत हुई है। अब किसान अपनी सुविधानुसार धान विक्रय की तैयारी कर उपार्जन केंद्र पहुंच सकते हैं। किसान ने कहा कि सरकार द्वारा किसानों की समस्याओं और आवश्यकताओं को ध्यान में रखकर बनाई गई व्यवस्था से धान विक्रय करना पहले की अपेक्षा अधिक आसान हो गया है।

प्रधानमंत्री के पूर्व प्रधान सचिव से छत्तीसगढ़ राज्य नीति आयोग के उपाध्यक्ष ने की भेंट

रायपुर। छत्तीसगढ़ राज्य नीति आयोग के उपाध्यक्ष गणेश शंकर मिश्रा ने नई दिल्ली में प्रधानमंत्री के पूर्व प्रधान सचिव नृपेंद्र मिश्र से सौजन्य भेंट की। इस अवसर पर श्री गणेश शंकर मिश्रा ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 'विकसित भारत -2047' के विजन के अनुरूप मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ में संचालित प्रमुख विकास योजनाओं एवं नीतिगत पहलों की जानकारी दी। मिश्रा ने विकसित छत्तीसगढ़ के निर्माण की दिशा में राज्य सरकार द्वारा किए जा रहे प्रयासों तथा प्रदेश के समग्र, समावेशी एवं सतत विकास के लिए उठाए जा रहे महत्वपूर्ण कदमों से अवगत कराया।

प्रदेश के 30 कॉलेज बनेंगे उत्कृष्ता केंद्र, उच्च शिक्षा मिशन के लिए 50 करोड़ रुपए का बजट प्रावधान

मुख्यमंत्री ने मंत्रालय में उच्च शिक्षा विभाग के कार्यों एवं योजनाओं की प्रगति की समीक्षा की

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ में उच्च शिक्षा को गुणवत्तापूर्ण, रोजगारोन्मुखी, तकनीक आधारित वैश्विक प्रतिस्पर्धा के अनुरूप बनाने की दिशा में राज्य शासन द्वारा अनेक महत्वपूर्ण पहल की जा रही हैं। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय की अध्यक्षता में बुधवार को नवा रायपुर अटल नगर स्थित मंत्रालय महानदी भवन में उच्च शिक्षा विभाग की समीक्षा बैठक आयोजित हुई। बैठक में उच्च शिक्षा मंत्री टंक राम वर्मा भी उपस्थित रहे। बैठक में राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के क्रियान्वयन, उच्च शिक्षा मिशन, उत्कृष्टता केंद्रों की स्थापना, रोजगारपरक शिक्षा, इंटर्नशिप नीति, रिक्त पदों पर भर्ती, डिजिटल नवाचार तथा महाविद्यालयों एवं विश्वविद्यालयों में अधोसंरचना विकास की प्रगति की समीक्षा की गई। बैठक में मुख्य सचिव विकास शील, मुख्यमंत्री के अपर मुख्य सचिव सुबोध कुमार सिंह, सचिव उच्च शिक्षा अविनाश चंपावत, आयुक्त उच्च शिक्षा रीता यादव आदि उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने कहा कि प्रदेश के युवाओं को गुणवत्तापूर्ण उच्च शिक्षा के साथ कौशल विकास और रोजगार के बेहतर अवसर उपलब्ध कराना राज्य सरकार की प्राथमिकता है। उच्च शिक्षण संस्थानों को ज्ञान, अनुसंधान, नवाचार और उद्यमिता के केंद्र के रूप में विकसित किया जाए। जनजातीय एवं दूरस्थ अंचलों के विद्यार्थियों को भी आधुनिक शिक्षा और तकनीकी सुविधाओं का समान अवसर मिले, यह सुनिश्चित किया जाए। राष्ट्रीय शिक्षा नीति के प्रभावी क्रियान्वयन से विकसित छत्तीसगढ़ के निर्माण में युवाओं की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित होगी।

उच्च शिक्षा मंत्री टंक राम वर्मा ने कहा कि प्रदेश में उच्च शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार के साथ विद्यार्थियों को आत्मनिर्भर बनाने के लिए शिक्षा को व्यावहारिक ज्ञान, कौशल और रोजगार से जोड़ा जा रहा है। उत्कृष्टता केंद्रों की स्थापना, इंटर्नशिप नीति, अंग्रेजी संप्रेषण कौशल, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का प्रशिक्षण तथा डिजिटल सेवाओं का विस्तार उच्च शिक्षा के क्षेत्र में सकारात्मक बदलाव लाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम हैं। महाविद्यालयों में रिक्त पदों की पूर्ति और शैक्षणिक सुविधाओं के विस्तार पर भी विशेष ध्यान दिया जा रहा है।



छत्तीसगढ़ के 30 महाविद्यालय बनेंगे को सेंटर ऑफ एक्सीलेंस

बैठक में जानकारी दी गई कि प्रदेश के 30 महाविद्यालयों को शिक्षण एवं अनुसंधान के उत्कृष्टता केंद्र (सेंटर ऑफ एक्सीलेंस) के रूप में विकसित करने के लिए चिन्हांकित किया गया है। इन महाविद्यालयों में आधुनिक प्रयोगशालाएं, उन्नत पुस्तकालय, स्मार्ट क्लासरूम सहित आवश्यक शैक्षणिक सुविधाएं विकसित की जाएंगी। विद्यार्थियों के कौशल विकास, प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी और प्लेसमेंट पर विशेष ध्यान दिया जाएगा। वर्तमान बजट में आधुनिक उपकरण, मशीन एवं सामग्री तथा सम्मेलन के लिए प्रति महाविद्यालय तीन करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है। आगामी दो वर्षों में डिजिटलीकरण एवं अन्य निर्माण कार्यों के लिए प्रति महाविद्यालय 10 करोड़ रुपये की मांग प्रस्तावित है।

उच्च शिक्षा मिशन के लिए 50 करोड़ रुपये का प्रावधान

छत्तीसगढ़ उच्च शिक्षा मिशन के लिए वित्तीय वर्ष 2026-27 के बजट में 50 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है। मिशन के माध्यम से राष्ट्रीय शिक्षा नीति के प्रभावी क्रियान्वयन और उच्च शिक्षा में सकल नामांकन अनुपात बढ़ाने पर विशेष जोर दिया जाएगा। वर्तमान में प्रदेश का सकल नामांकन अनुपात 24.5 प्रतिशत है, जबकि राष्ट्रीय स्तर पर यह 30 प्रतिशत है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति के अनुरूप वर्ष 2035 तक इसे 50 प्रतिशत तक पहुंचाने का लक्ष्य है।

1.40 लाख विद्यार्थियों को मिलेगा व्यावहारिक कार्यानुभव

राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के अनुरूप तैयार इंटर्नशिप संचालन नीति-2026 को राज्यपाल की स्वीकृति प्राप्त हो चुकी है। इसके अंतर्गत लगभग एक लाख 40 हजार स्नातक विद्यार्थियों को दो क्रेडिट की 60 घंटे की अनिवार्य इंटर्नशिप से जोड़ने की तैयारी है। विद्यार्थियों को उद्योग एवं कॉर्पोरेट संस्थानों, शैक्षणिक परियोजनाओं तथा स्थानीय उद्योगों एवं सामुदायिक संगठनों में इंटर्नशिप का अवसर मिलेगा। इसके लिए विश्वविद्यालयों एवं महाविद्यालयों में इंटर्नशिप सेल गठित किए जा रहे हैं। प्रदेश के जनजातीय क्षेत्रों के 148 शासकीय महाविद्यालयों में 90 घंटे का कम्युनिकेटिव इंग्लिश कोर्स संचालित किया जा रहा है, जिसमें 10 हजार विद्यार्थी नामांकित हैं।

गूगल के सहयोग से आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का विस्तार

उच्च शिक्षा में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के उपयोग को बढ़ावा देने के लिए गूगल फॉर एजुकेशन के मध्य समझौता किया गया है। प्रथम चरण में रायपुर के 22 कॉलेजों के 500 से अधिक प्राध्यापकों तथा संचालनालय के 50 से अधिक अधिकारियों एवं कर्मचारियों को एआई का व्यावहारिक प्रशिक्षण दिया गया है। आगामी चरण में प्रदेश के शासकीय एवं निजी महाविद्यालयों के शैक्षणिक स्टाफ के लिए 10 अतिरिक्त नि:शुल्क ऑफलाइन प्रशिक्षण सत्र आयोजित किए जाने की योजना है।

1295 पदों पर भर्ती व 362 सहायक प्राध्यापकों को पदोन्नति

प्रदेश के शासकीय महाविद्यालयों में प्राध्यापक के 595 पदों पर सीधी भर्ती की प्रक्रिया छत्तीसगढ़ लोक सेवा आयोग में प्रक्रियाधीन है। इसके अतिरिक्त 15 विषयों के सहायक प्राध्यापक के 625 पदों, ग्रंथपाल के 50 तथा क्रीड़ा अधिकारी के 25 पदों सहित कुल 700 पदों पर सीधी भर्ती का प्रस्ताव आयोग को भेजा गया है। विगत वर्षों से लंबित पदोन्नति प्रकरणों का निराकरण करते हुए 362 सहायक प्राध्यापकों को पदोन्नत प्राध्यापक के पद पर पदोन्नति प्रदान की गई है। दिसंबर माह में 143 पात्र सहायक प्राध्यापकों की पदोन्नति का प्रस्ताव भेजा जाएगा। शैक्षणिक सत्र 2026-27 में अध्ययन-अध्यापन सुचारू रखने के लिए 3236 अतिथि व्याख्याताओं की व्यवस्था की गई है। विगत तीन वर्षों में 398 अराजपत्रित कर्मचारियों को पदोन्नति दी गई है। प्रयोगशाला तकनीशियन के 260 और प्रयोगशाला परिचारक के 430 पदों सहित कुल 690 पदों पर भर्ती एवं पदस्थापना की गई है। इसके अलावा 48 आश्रितों को अनुकंपा नियुक्ति प्रदान की गई है।

विश्वविद्यालयों में नए विभागों और पाठ्यक्रमों के संचालन की तैयारी

मुख्यमंत्री की घोषणा के अनुरूप अटल बिहारी वाजपेयी विश्वविद्यालय बिलासपुर में 23 नवीन विभागों एवं पाठ्यक्रमों की स्थापना के लिए 280 शैक्षणिक एवं अशैक्षणिक पदों के सृजन का प्रस्ताव तैयार किया गया है। इसके लिए 38.50 करोड़ रुपये का प्रस्ताव है। इसी प्रकार शहीद नंदकुमार पटेल विश्वविद्यालय रायगढ़ में 49 नवीन शैक्षणिक पदों तथा संत गहिरा गुरु विश्वविद्यालय सरगुजा में बी.फार्मा एवं एम.फार्मा पाठ्यक्रम प्रारंभ करने के लिए 49 पदों के सृजन का प्रस्ताव तैयार किया गया है। पंडित रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय रायपुर में भी 17 नवीन शैक्षणिक पदों की स्वीकृति का प्रस्ताव है। प्रदेश में जुलाई 2024 से प्रमुख स्नातक पाठ्यक्रमों में राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 लागू की गई है। इसके तहत सेमेस्टर एवं क्रेडिट आधारित व्यवस्था, बहुप्रवेश-बहुनिर्गम प्रणाली को अपनाया गया है।

एकीकृत प्रवेश पोर्टल और ई-ज्ञानार्जन से मिलेगी सुविधा

प्रदेश में उच्च शिक्षा से संबंधित सेवाओं को सरल, पारदर्शी और सुलभ बनाने के लिए डिजिटल गवर्नेंस को बढ़ावा दिया जा रहा है। राज्य स्तरीय एकीकृत प्रवेश पोर्टल विकसित करने की पहल की गई है, जिससे विद्यार्थियों को अलग-अलग विश्वविद्यालयों के पोर्टल पर आवेदन करने की आवश्यकता नहीं होगी। ई-ज्ञानार्जन मोबाइल ऐप के माध्यम से विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण डिजिटल अध्ययन सामग्री उपलब्ध कराई जा रही है। इसके साथ ही डिजिलॉकर, आधार आधारित प्रमाणीकरण, व्हाट्सएप आधारित विभागीय सूचना प्रणाली तथा एचई-ऑनलाइन पोर्टल के उन्नयन का कार्य किया जा रहा है। विश्वविद्यालयों एवं क्षेत्रीय कार्यालयों के बाद अब शासकीय महाविद्यालयों में भी ई-ऑफिस व्यवस्था लागू की गई है, जिससे विभागीय कार्यप्रणाली अधिक सुगम, पारदर्शी और पेपरलेस बनेगी। प्रदेश में वर्तमान में 348 शासकीय एवं 329 निजी महाविद्यालय तथा नौ राजकीय एवं 20 निजी विश्वविद्यालय संचालित हैं।

पीएम उषा और रूसा से उच्च शिक्षण संस्थानों का हो रहा सुदृढ़ीकरण

बैठक में प्रधानमंत्री उच्चतर शिक्षा अभियान (पीएम उषा) तथा राष्ट्रीय उच्चतर शिक्षा अभियान की प्रगति की भी समीक्षा की गई। पीएम उषा के तहत प्रदेश में 21 परियोजनाएं शामिल हैं, जिनमें से 16 परियोजनाओं पर कार्य प्रगतिरत है। शहीद महेंद्र कर्मा विश्वविद्यालय बस्तर को बहुविषयक शिक्षा एवं अनुसंधान विश्वविद्यालय के रूप में विकसित किया जा रहा है। रूसा 1.0 एवं 2.0 की समस्त परियोजनाओं को मार्च 2027 तक पूर्ण करने का लक्ष्य निर्धारित है। पांचवें राष्ट्रीय मुख्य सचिव सम्मेलन की अनुशंसाओं के क्रियान्वयन के लिए उच्च शिक्षा विभाग को प्राप्त 28 बिंदुओं में से 20 पर कार्यवाही पूर्ण कर ली गई है। शेष प्रस्तावित पहलों के क्रियान्वयन के लिए लगभग 147.25 करोड़ रुपये की वित्तीय आवश्यकता का आकलन किया गया है।

मुख्यमंत्री साय ने की विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग के कार्यों की समीक्षा

वैज्ञानिक अनुसंधान एवं तकनीकी नवाचारों का लाभ शासन के विभिन्न विभागों और आमजन तक पहुंचाने पर जोर

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने आज महानदी भवन अटल नगर नवा रायपुर में विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग, छत्तीसगढ़ विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद तथा छत्तीसगढ़ रीजनल साइंस सेंटर के कार्यों की समीक्षा की। मुख्यमंत्री श्री साय ने प्रदेश में वैज्ञानिक सोच, अनुसंधान एवं नवाचार को प्रोत्साहित करने के साथ ही आधुनिक विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी का उपयोग जनकल्याण और राज्य के विकास में सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

मुख्यमंत्री साय ने प्रदेश में प्रस्तावित साइंस सिटी की स्थापना के लिए आवश्यक प्रक्रियाएं शीघ्र पूर्ण करने के निर्देश दिए। बैठक में बताया गया कि प्रस्तावित साइंस सिटी में 7-डी थिएटर, टाइम मशीन सिम्युलेटर, प्लेनेटेरियम, स्पेस एंड एस्ट्रोनॉमी गैलेरी, ऑन एयर विज्ञान पार्क, द ग्रीन गार्डियन, स्पेस ओडिसी, साइंस ऑन स्फीयर, डिजिटल पैनोरमा, प्लेनेटोरियम, ऑडिटोरियम, रिन्यूएबल एनर्जी पार्क विकसित किए जाएंगे। इससे बच्चों, युवाओं एवं आम नागरिकों को विज्ञान के जटिल सिद्धांतों और आधुनिक तकनीकों को सरल, रोचक एवं अनुभवात्मक तरीके से समझने का अवसर मिलेगा। उप मुख्यमंत्री एवं विज्ञान प्रौद्योगिकी मंत्री विजय शर्मा ने विज्ञान के नवाचारों और विभाग के नवाचारी कार्यों का लाभ राज्य के लोगों तक उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि नवा रायपुर में प्रस्तावित साइंस सिटी से प्रदेश के विज्ञान में अभिरुचि लेने वाले लोगों को लाभ होगा और यह राज्य में पर्यटकों के लिए भी आकर्षण का केंद्र बनेगा।



विश्वविद्यालयों से जोड़ी जाएं सिकॉस्ट की प्रयोगशालाएं

मुख्यमंत्री साय ने छत्तीसगढ़ विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद में स्थापित विभिन्न केन्द्रीय प्रयोगशालाओं को प्रदेश के विश्वविद्यालयों एवं महाविद्यालयों से जोड़कर विद्यार्थियों को इनका लाभ दिलाने के निर्देश दिए। जिससे प्रदेश के युवा वैज्ञानिक अनुसंधान के क्षेत्र में आगे बढ़ सकें। उन्होंने समर साइंस कैम्प के अंतर्गत संचालित गतिविधियों की भी समीक्षा की। बैठक में विज्ञान केंद्र में स्थापित की जा रही आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस गैलरी के संबंध में विस्तृत जानकारी दी गई। इसके साथ ही सूरजपुर जिले के मायापुर में कर्क रेखा गुजरने वाले क्षेत्र में प्रस्तावित एस्ट्रो साइंस पार्क के निर्माण के संबंध में भी चर्चा हुई।

वैज्ञानिक अनुसंधान एवं आधुनिक तकनीक का लाभ मिले

मुख्यमंत्री साय ने विभाग की स्ववित्तपोषण की संभावनाओं को बढ़ाने तथा वैज्ञानिक अनुसंधान, खोजों और तकनीकी परियोजनाओं का व्यावहारिक लाभ राज्य को दिलाने पर विशेष जोर दिया। उन्होंने कृषि, ग्रामीण विकास, पर्यावरण, राजस्व सहित शासन के विभिन्न विभागों की आवश्यकताओं के अनुरूप परियोजनाएं तैयार करने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने बाढ़ एवं आपदा प्रबंधन, निर्माण कार्यों की प्रगति की निगरानी, राजस्व निरीक्षण, भू-अभिलेखों के प्रबंधन तथा भूमि उपयोग के आकलन जैसे कार्यों में आधुनिक वैज्ञानिक एवं तकनीकी संसाधनों का अधिकाधिक उपयोग करने के निर्देश दिए। उन्होंने शासकीय विभागों के साथ-साथ निजी संस्थाओं और फर्मों को भी आवश्यक वैज्ञानिक एवं तकनीकी सहयोग प्रदान करने को कहा।

युवाओं के नवाचार और बौद्धिक संपदा के संरक्षण को मिलेगा प्रोत्साहन

बैठक में बौद्धिक संपदा अधिकारों के संबंध में सहायता एवं मार्गदर्शन प्रदान करने के लिए जारी किए गए टोल फ्री नंबर की जानकारी दी गई। मुख्यमंत्री साय ने प्रदेश के प्रतिभाशाली युवाओं, शोधकर्ताओं एवं नवाचार करने वाले लोगों को पेटेंट सहित विभिन्न बौद्धिक संपदा अधिकार प्राप्त करने की प्रक्रियाओं में आवश्यक सहयोग एवं मार्गदर्शन उपलब्ध कराने के निर्देश दिए, ताकि उनकी वैज्ञानिक खोजों और मौलिक विचारों को संरक्षण एवं उचित पहचान मिल सके।

छत्तीसगढ़ में कम धान बेचने पर भी पूरी आदान सहायता के निर्णय को यूपी के खाद्य मंत्री ने की सराहना

- धान उपार्जन की किसान पंजीयन प्रक्रिया, टोकन व्यवस्था, खरीदी केंद्रों की सुविधाओं ली की जानकारी

श्रीकंचनपथ न्यूज



रायपुर। उत्तर प्रदेश के खाद्य एवं रसद तथा नागरिक आपूर्ति मंत्री श्री मनोज कुमार पांडेय ने किसानों द्वारा 21 क्विंटल से कम धान बेचने पर भी पूरी आदान सहायता देने के छत्तीसगढ़ सरकार के निर्णय की सराहना की है। उन्होंने मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय की इस पहल को किसानों के हित में अहम कदम बताया। एक निजी कार्यक्रम में शामिल होने बिलासपुर पहुंचे श्री पांडेय ने बुधवार को सर्किट हाउस में खाद्य विभाग और सहकारी बैंक के अधिकारियों के साथ चर्चा कर राज्य की धान खरीदी व्यवस्था व सुविधाओं की जानकारी ली।

श्री पांडेय आज बिलासपुर दौरे पर थे, उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय का यह फैसला किसान हितैषी है। अधिकारियों ने चर्चा के दौरान बताया कि निर्धारित मात्रा से कम धान बेचने पर भी किसानों को पूरी आदान सहायता देने का प्रावधान किया गया है, जिससे घरेलू जरूरत के लिए धान रखने या कम मात्रा में उपज बेचने वाले किसानों को भी पूरा लाभ मिल सकेगा। इससे किसानों को अपनी उपज के उपयोग और विक्रय में सहूलियत मिलने के साथ आर्थिक सुरक्षा को भी बल मिलेगा।

इस दौरान उत्तरप्रदेश के मंत्री श्री पांडेय ने धान उपार्जन की किसान पंजीयन प्रक्रिया, टोकन व्यवस्था, खरीदी केंद्रों की सुविधाओं, तौल और भुगतान व्यवस्था सहित विभिन्न चरणों की जानकारी ली। अधिकारियों ने खाद्य विभाग की योजनाओं, सार्वजनिक वितरण प्रणाली और विभागीय गतिविधियों की प्रगति से अवगत कराया तथा योजनाओं का लाभ हितग्राहियों तक सुगमता से पहुंचाने पर चर्चा की। बैठक में खाद्य नियंत्रक श्री अमृत कुजूर, नागरिक आपूर्ति निगम के जिला प्रबंधक श्री नितिन दीवान, जिला विपणन अधिकारी श्री उपेंद्र खांडे, खाद्य अधिकारी श्री राजीव लोचन तिवारी, सहकारी केंद्रीय बैंक के सीईओ प्रभात मिश्रा सहित अन्य अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित थे।

छत्तीसगढ़ के डिजिटल ब्रांड एंबेसडर हैं हमारे कंटेंट क्रिएटर्स : मुख्यमंत्री साय

- मुख्यमंत्री ने छत्तीसगढ़ स्टेट क्रिएटर एंड इन्फ्लुएंसर अवॉर्ड्स 2026 में की शिरकत, युवा क्रिएटर्स से पॉडकास्ट शैली में किया संवाद

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय आज राजधानी रायपुर के होटल बेबीलॉन इंटरनेशनल में आयोजित छत्तीसगढ़ स्टेट क्रिएटर एंड इन्फ्लुएंसर अवॉर्ड्स 2026 में शामिल हुए। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ के कंटेंट क्रिएटर्स प्रदेश के डिजिटल ब्रांड एंबेसडर हैं। वे अपने कैमरे और रचनात्मकता से छत्तीसगढ़ की ऐसी सुंदर तस्वीर देश-दुनिया के सामने ला रहे हैं, जिससे प्रदेश की लोककला, संस्कृति, खान-पान, पर्यटन स्थलों और छत्तीसगढ़ी भाषा को नई पहचान मिल रही है।



मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि आज सोशल मीडिया और डिजिटल प्लेटफॉर्म सूचना एवं संवाद के प्रभावी माध्यम बन चुके हैं। कंटेंट क्रिएटर्स की पहुंच लाखों लोगों तक है। वे मनोरंजन के साथ-साथ सामाजिक जागरूकता बढ़ाने और जनहित के विषयों को लोगों तक पहुंचाने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं। छत्तीसगढ़ के जनजातीय और ग्रामीण अंचलों की समृद्ध परंपराओं, कला-संस्कृति और अनछुए पर्यटन स्थलों को दुनिया के सामने लाने में क्रिएटर्स का योगदान अहम हो सकता है।

16 मुख्य श्रेणियों और 46 उपश्रेणियों में अवॉर्ड्स

कार्यक्रम में छत्तीसगढ़ की जनता की सार्वजनिक वोटिंग के माध्यम से अपने पसंदीदा क्रिएटर्स का चयन किया गया। अवॉर्ड्स के लिए 16 मुख्य श्रेणियों और 46 उपश्रेणियों में पुरस्कार प्रदान किए गए। इनमें फूड, संस्कृति, स्वास्थ्य, शिक्षा, लाइफस्टाइल सहित विभिन्न क्षेत्रों में डिजिटल माध्यम से उल्लेखनीय योगदान देने वाले क्रिएटर्स को सम्मानित किया गया।

जिम्मेदारियों ने सिखाया जीवन का बड़ा पाठ

कार्यक्रम में पॉडकास्ट शैली में युवा क्रिएटर्स से संवाद करते हुए मुख्यमंत्री श्री साय ने अपने राजनीतिक और सामाजिक जीवन के अनुभव साझा किए। पंच से निर्विरोध सरपंच, विधायक, सांसद, केंद्रीय मंत्री और मुख्यमंत्री तक के सफर से जुड़े सवाल पर उन्होंने बताया कि कम उम्र में पिता के निधन के बाद परिवार की जिम्मेदारी उनके कंधों पर आ गई थी। पढ़ाई के साथ परिवार की जिम्मेदारियों का निर्वहन करते हुए वे सार्वजनिक जीवन में आए। गांव के लोगों ने उन्हें पंच और फिर सरपंच चुना।

किसानों की समृद्धि सरकार की प्राथमिकता

खेती-किसानी से जुड़े सवाल पर मुख्यमंत्री ने कहा कि वे किसान परिवार से आते हैं और उन्होंने खेती को करीब से देखा है। खेती ने उन्हें धैर्य, परिश्रम और जमीन से जुड़े रहने की सीख दी है। उन्होंने कहा कि किसानों की समस्याओं और जरूरतों को वे समझते हैं। हमारी सरकार किसानों की सरकार है। नक्सलवाद के खात्मे से जुड़े सवाल पर मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि 31 मार्च 2026 का दिन छत्तीसगढ़ के लिए ऐतिहासिक रहा। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के दृढ़ नेतृत्व, केंद्रीय गृह मंत्री श्री अमित शाह के संकल्प और हमारे वीर जवानों के अदम्य साहस से नक्सलवाद के विरुद्ध निर्णायक सफलता मिली है। उन्होंने कहा कि बस्तर की कई पीढ़ियों ने हिंसा का दर्द सहा है। अब वहां शांति और विश्वास है।







कसरत से बचने वालों को श्वेता तिवारी की सलाह, मोटिवेशनल कैप्शन के साथ जिम से साझा किए फोटो

अभिनेत्री श्वेता तिवारी अपनी फिटनेस को लेकर काफी सजग हैं। 46 वर्षीय अभिनेत्री इसके लिए नियमित रूप से वर्कआउट करती हैं। जिम में जाकर कसरत करती हैं। दूसरों को भी उन्होंने वर्ककाउट करने की प्रेरणा देते हुए पोस्ट शेयर किया है।

बोलीं- मुस्कुराइए...

श्वेता तिवारी ने इंस्टाग्राम अकाउंट से एक पोस्ट शेयर किया है। उन्होंने कुछ फोटोज साझा किए हैं। श्वेता जिम में नजर आ रही हैं। वर्कआउट के साथ-साथ भरपूर मस्ती कर रही हैं। अपने इन कीमती पलों को उन्होंने कैमरे में कैद कर लिया।

श्वेता ने पोस्ट के साथ कैप्शन लिखा है, 'ठीक है। हर दिन वर्कआउट करना मजेदार नहीं होता। कभी-कभी आपको यह पसंद आता है। कभी-कभी आप बस खुद को इसके लिए मजबूर कर लेते हैं। लेकिन यह जरूरी है। इसलिए मुस्कुराएं, ऐसा दिखाएं कि आपको इसमें मजा आ रहा है। बस आप वर्कआउट कर लें'। अभिनेत्री के इस पोस्ट पर नेटिजंस के रिएक्शंस आ रहे हैं।

यूजर्स उनकी फिटनेस की दिल खोलकर तारीफ कर रहे हैं। एक यूजर ने लिखा, 'उम्र आपके लिए महज एक संख्या है'। एक अन्य यूजर ने लिखा, 'आप जिंदगी को जिंदादिली के साथ अपनी शर्तों पर जी रही हैं'। एक यूजर ने लिखा, 'आप लाजवाब हो। दूसरों को बहुत अच्छे से मोटिवेट करती हैं'।

शादी की तस्वीरों पर उठे प्लास्टिक सर्जरी के सवाल स्टोरी शेयर कर जैस्मिन भसीन ने किया खुलासा

प्लास्टिक सर्जरी की अफवाहों पर भड़कीं जैस्मिन

टीवी अभिनेत्री जैस्मिन भसीन हाल ही में एक शादी में शामिल हुई थीं। उनकी तस्वीरें सोशल मीडिया पर आने के बाद लोगों ने उनके लुक की तारीफ करने के बजाय उनको ट्रोल करना शुरु कर दिया। कुछ यूजर्स ने उनके बोटॉक्स और फिलर्स कराने की अटकलें भी लगाईं। अब अभिनेत्री ने सोशल मीडिया के जरिए इन सवालों का जवाब दिया है।



जैस्मिन राघव शर्मा के भाई की शादी में शामिल हुई थीं। इस दौरान उनके साथ अली गोनी, मुनव्वर फारुकी और एल्विश यादव भी नजर आए। शादी की तस्वीरें सामने आने के बाद सोशल मीडिया पर उनके चेहरे में बदलाव को लेकर तरह-तरह की बातें होने लगीं। इन टिप्पणियों पर जैस्मिन ने अपने इंस्टाग्राम स्टोरी पर एक पोस्ट शेयर किया। उन्होंने तंज कसते हुए लिखा, 'तो ऐसा लगता है कि जब भी मेरा चेहरा थोड़ा अलग दिखता है, लोगों को लगता है कि मैंने एक नई प्लास्टिक सर्जरी करवा ली है।

दोस्तों, शांत हो जाइए। मैं सफर करती हूं, पूरी नींद नहीं ले पाती, अलग-अलग मेकअप आर्टिस्ट के साथ काम करती हूं, मेरे साइनस में सूजन आ जाती है, मैं थक जाती हूं, मैंने स्ट्रेंथ ट्रेनिंग शुरू की है और मेरा वजन भी थोड़ा बढ़ा है। मेरा चेहरा कोई ऐसा इंस्टाग्राम फिल्टर नहीं है, जो हमेशा एक जैसा रहे।' उन्होंने आगे लिखा, 'कुछ दिन चेहरा काफी अच्छा दिखता है। कुछ दिन सूजा हुआ नजर आता है। कुछ दिन थका हुआ दिखता है। कभी-कभी तो मेकअप की भी हालत खराब हो जाती है। और ये प्लास्टिक सर्जरी वाली बातें।

यार, प्लास्टिक सर्जरी करवाने के लिए भी तो समय चाहिए। मैं भी खून, मांस, मांसपेशियों और हड्डियों से बनी हूं। मुझे भी अलग-अलग दिनों में अलग दिखने का हक है। मुझे अपना चेहरा पसंद है। मुझे अपना शरीर पसंद है। मैं खुद से प्यार करती हूं। मुझे खुश रहने के लिए हर दिन परफेक्ट दिखने की जरूरत नहीं है।' जैस्मिन ने अपनी बात खत्म करते हुए लोगों से उनकी तस्वीरों में कमियां निकालना बंद करने की अपील की। अभिनेत्री ने आखिर में लिखा, 'प्लीज... इस इंसान को भी सांस लेने दीजिए।'

जैस्मिन भसीन का वर्कफ्रंट

जैस्मिन भसीन हाल ही में पंजाबी फिल्म 'जुदा' में नजर आई थीं। इस फिल्म में उन्होंने सिंगर और अभिनेता गुलाब सिद्धू के साथ काम किया है। फिल्म की कहानी प्यार, जुदाई और दिल टूटने जैसे विषयों पर आधारित है। इसके अलावा, जैस्मिन ने रोहित शेट्टी के स्टंट बेस्ड रियलिटी शो 'खतरों के खिलाड़ी 15' में भी वापसी की है।

पंचायत के सीजन 5 को लेकर जितेंद्र कुमार और फैसल मलिक ने बताया- हर किरदार को मिला प्यार

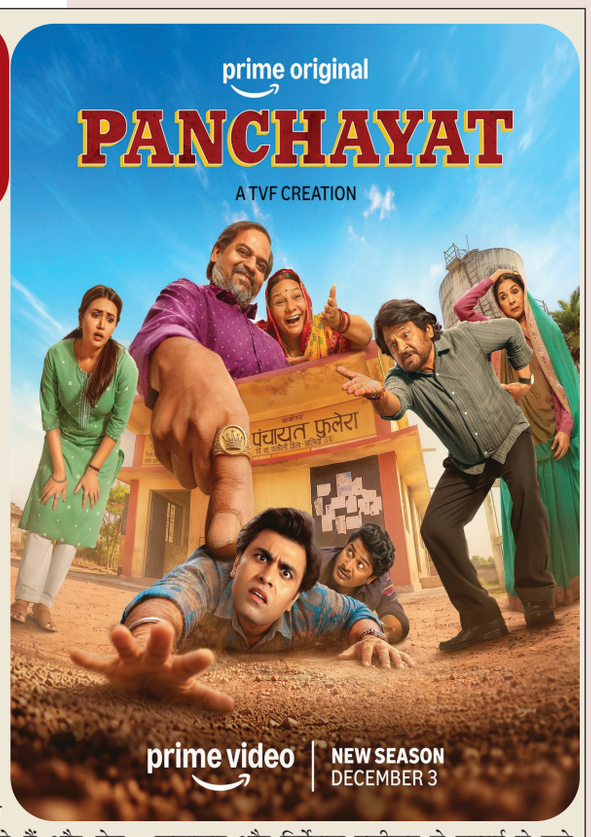

वेब सीरीज पंचायत सीजन-5 ओटीटी पर स्ट्रीम होने के लिए तैयार है। सीरीज में प्रह्लाद पांडे का किरदार निभाने वाले अभिनेता फैसल मलिक का कहना है कि पंचायत पहला ऐसा शो है, जिसके हर किरदार को लोगों ने प्यार दिया है और उससे जुड़ाव महसूस किया है। अभिनेता ने बातचीत में सीरीज को मिल रहे प्यार को लेकर कहा, इस शो की लेखनी ने हमें बनाया है।

मैंने पहला ऐसा शो देखा है, जिसके छोटे से लेकर बड़े तक, हर तरह के कलाकार मशहूर हुए हैं और लोग इसे अच्छे से जानते हैं। हमारे शो में अभिनेता अमित कुमार मौर्या ने बम बहादुर का किरदार निभाया था, जिन्होंने ऐसे ही छोटा-सा अभिनय किया था। उनके किरदार को जिस तरह से याद किया जाता है, वही बड़ी चीज बन जाती है। हम लोग तो बस पंचायत सीरीज के किरदार हैं। उन्होंने आगे कहा, देखिए, अच्छी तरह से लिखी गई कहानियां अच्छे से चलीं और आगे भी चलेंगी और उन्हें लोग जरूर पसंद करेंगे और उनके बारे में बात करेंगे।

वहीं, वेब सीरीज पंचायत में अभिनेता जितेंद्र कुमार ने अभिषेक त्रिपाठी, जिन्हें गांव में सभी प्यार से सचिव जी कहते हैं, का किरदार निभाया है।

उन्होंने कहा, जिस तरह से इस सीरीज को पेश किया गया है, इसके सभी किरदारों और उनकी अलग-अलग शख्सियतों के साथ, वो मनोरंजन का एक ऐसा स्वाद वापस लेकर आता है, जो मुझे लगता है कि काफी समय से गायब था।

उन्होंने आगे कहा, पहले के समय में यही चीजें बहुत होती थीं। जब दूरदर्शन आया था, तो इस तरह की कहानियां हुआ करती थीं, लेकिन वह बहुत पुरानी बात है और उसके बाद से ही इस तरह की कहानी देखने को नहीं मिली थी, तो मुझे लगता है कि यही चीज हमारे लिए बहुत काम कर गई।

सीरीज में बिनोद का किरदार निभाने वाले अभिनेता अशोक पाठक ने कहा, मुझे लगता है कि पंचायत की सादगी ही इसे सबसे खास बनाती है। लोग अक्सर इसकी सादगी और सच्चाई की बात करते हैं और मेरा मानना है कि यही इसकी सबसे बड़ी ताकत है।

सीरीज में क्रांति देवी की भूमिका अदा करने वाली अभिनेत्री सुनीता राजवर ने कहा, सभी कलाकार और निर्देशक हकीकत से गहराई से जुड़े हुए हैं, इसलिए कहानी में कुछ भी अलग से जोड़ने की जरूरत नहीं पड़ी, तो शायद इस वजह से सरलता सामने निकलकर आई।

भिलाई की बेटी का मुंबई में बढ़ा साहित्यिक कद, मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने किया श्वेता पड्डा की उपन्यास 'थोड़ी सी मैं' का लोकार्पण

साहित्य और सिनेमा की प्रतिष्ठित हस्तियों के साथ संवाद का अवसर

इस आयोजन में श्वेता पड्डा की भूमिका केवल एक लेखिका के रूप में ही सीमित नहीं है। उन्हें देश के कई प्रतिष्ठित लेखकों, कलाकारों और जानी-मानी हस्तियों के सत्रों के संचालन एवं मॉडरेशन की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी भी सौंपी गई है। इनमें चर्चित लेखक अश्विन सांघी, आनंद नीलकंठन, अक्षत गुप्ता, अभिनेत्री मलाइका अरोड़ा, उद्योगपति गौतम अडानी और अभिनेत्री शेफाली शाह जैसी हस्तियां शामिल हैं। इन प्रतिष्ठित व्यक्तित्वों के सत्रों का संचालन करने का अवसर श्वेता के लिए साहित्य, सिनेमा, कला और संवाद के क्षेत्र में उनके अनुभव तथा कम्युनिकेशन कौशल की एक महत्वपूर्ण पहचान है। इस अवसर को संभव बनाने में नेशनल बुक ट्रस्ट के निदेशक कर्नल युवराज मलिक की विशेष भूमिका रही। उनके मार्गदर्शन और प्रोत्साहन से श्वेता को इस प्रतिष्ठित मंच पर अपनी साहित्यिक उपस्थिति दर्ज कराने के साथ-साथ देश की जानी-मानी हस्तियों के साथ संवाद स्थापित करने का अवसर प्राप्त हुआ।

मुंबई/भिलाई। छत्तीसगढ़ के भिलाई से निकलकर साहित्य, सिनेमा और कला के क्षेत्र में राष्ट्रीय स्तर पर अपनी पहचान बना रहीं अभिनेत्री, लेखिका और कम्युनिकेशन विशेषज्ञ श्वेता पड्डा के लिए एक और महत्वपूर्ण उपलब्धि जुड़ गई है। उनके दूसरे पुस्तक-कार्य, हिंदी फिक्शन उपन्यास 'थोड़ी सी मैं' का लोकार्पण महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस द्वारा मुंबई में आयोजित प्रतिष्ठित मुंबई बुक फेस्टिवल में किया गया। नेशनल बुक ट्रस्ट, भारत सरकार द्वारा आयोजित यह साहित्यिक आयोजन मुंबई विश्वविद्यालय के कलीना परिसर में संपन्न हुआ। यह अवसर श्वेता के साहित्यिक सफर के साथ-साथ छत्तीसगढ़ और विशेषकर भिलाई के लिए भी गर्व का विषय बना।

प्रभात प्रकाशन द्वारा प्रकाशित 'थोड़ी सी मैं' श्वेता पड्डा का दूसरी प्रकाशित पुस्तक है। उनका पहला पुस्तक-कार्य 'Storm to StillnessÑ The Calm That We Carry' अंग्रेजी में प्रकाशित एक नॉन-फिक्शन पुस्तक है, जिसे पाठकों का अच्छा प्रतिसाद मिला है और जिसने द्वड्डु5श्ठ्ठ पर टॉप सेलर के रूप में अपनी पहचान बनाई है। पहली पुस्तक से मिली सफलता के बाद अब उनका दूसरा उपन्यास भी राष्ट्रीय स्तर के प्रतिष्ठित साहित्यिक मंच पर चर्चा में है। थोड़ी सी मैं रिश्तों, प्रेम, भावनाओं, जीवन के अनुभवों और एक स्त्री के अपने आप से जुड़ने की यात्रा को केंद्र में रखता है। यह उन अनकहे पहलुओं को छूने का प्रयास है, जो अक्सर रिश्तों और सामाजिक भूमिकाओं के बीच कहीं पीछे छूट जाते हैं। श्वेता की लेखन शैली में संवेदनशीलता के साथ जीवन की व्यावहारिक समझ भी दिखाई देती है।

बनारस से मुंबई तक साहित्यिक मंचों पर राष्ट्रीय पहचान के साथ अपने प्रदेश के लिए कुछ करने की इच्छा

श्वेता पड्डा कहती हैं कि पिछले लगभग दो दशकों से वे अपने काम, अपनी कला और अपनी उपलब्धियों के माध्यम से लगातार छत्तीसगढ़ का नाम राष्ट्रीय स्तर पर रोशन करने का प्रयास कर रही हैं। वे कहती हैं, भिलाई और छत्तीसगढ़ से मेरा जुड़ाव केवल मेरी जन्मभूमि तक सीमित नहीं है, बल्कि यह मेरी पहचान और मेरी जड़ों का हिस्सा है। मुझे खुशी है कि मैं अपने प्रदेश का नाम देश के अलग-अलग मंचों तक पहुंचा पा रही हूं। लेकिन मेरी एक इच्छा और भी है कि जिस प्रदेश ने मुझे मेरी पहचान दी, वहां भी मेरी प्रतिभा, अनुभव और कौशल का उपयोग हो सके। अपने ही राज्य में काम करने और अपनी विशेषज्ञता को यहां के युवाओं एवं महिलाओं तक पहुंचाने के लिए जिस तरह के अवसर और प्रोत्साहन की अपेक्षा रहती है, वह अभी और विकसित हो सकता है।

श्वेता का मानना है कि किसी भी प्रदेश की वास्तविक सांस्कृतिक और रचनात्मक प्रगति तभी संभव है, जब वहां की प्रतिभाओं को अपने ही प्रदेश में अवसर, मंच और उचित प्रोत्साहन मिले। वे चाहती हैं कि अभिनय, फिल्म निर्माण, साहित्य और कम्युनिकेशन के क्षेत्र में अपने लगभग दो दशकों के अनुभव का उपयोग छत्तीसगढ़ के युवाओं और महिलाओं के कौशल विकास के लिए करें। इसी दिशा में वे समय-समय पर अभिनय, फिल्म मेकिंग और कम्युनिकेशन से संबंधित वर्कशॉप आयोजित करती रही हैं। कम्युनिकेशन एवं 'आर्ट ऑफ कन्वर्सेशन' की प्रोफेसर के रूप में उनका अकादमिक अनुभव भी इस प्रयास का महत्वपूर्ण हिस्सा है। इसके अतिरिक्त, वे 'बज़्म-ए-दास्तान' के माध्यम से साहित्य और सांस्कृतिक गतिविधियों को भी प्रोत्साहित कर रही हैं।

मुंबई बुक फेस्टिवल में श्वेता पड्डा की पुस्तक को मिला विशेष मंच



उनका उद्देश्य केवल व्यक्तिगत उपलब्धियां हासिल करना नहीं, बल्कि अपने अनुभवों से प्रदेश की अगली पीढ़ी के लिए संभावनाओं के नए रास्ते तैयार करना भी है। वे चाहती हैं कि छत्तीसगढ़ के युवाओं को अभिनय, फिल्म निर्माण, संवाद-कला और रचनात्मक अभिव्यक्ति के लिए बड़े शहरों की ओर देखने की मजबूरी न हो, बल्कि उन्हें अपने प्रदेश में भी गुणवत्तापूर्ण प्रशिक्षण और अवसर मिल सकें।

श्वेता कहती हैं, मैं चाहती हूं कि जिस तरह मैं पिछले दो दशकों से बाहर जाकर छत्तीसगढ़ का नाम रोशन करने की कोशिश कर रही हूं, अब मुझे अपने प्रदेश में भी काम करने और यहां की प्रतिभाओं के लिए कुछ सार्थक करने का अवसर मिले। अपनी मिट्टी के लिए काम करना मेरे लिए किसी भी व्यक्तिगत उपलब्धि से कम नहीं होगा।

भिलाई से शुरू हुआ श्वेता पड्डा का सफर आज मुंबई के प्रतिष्ठित साहित्यिक मंचों और राष्ट्रीय सिनेमा तक पहुंच चुका है। एक अभिनेत्री, लेखिका, शिक्षाविद्, कम्युनिकेशन विशेषज्ञ और कहानीकार के रूप में उनकी यह बहुआयामी यात्रा इस बात का उदाहरण है कि अपनी जड़ों से जुड़े रहकर भी राष्ट्रीय स्तर पर अपनी प्रतिभा और मेहनत के दम पर पहचान बनाई जा सकती है।

भिलाई की बेटी का मुंबई के इतने प्रतिष्ठित साहित्यिक मंच पर अपनी पुस्तक के साथ उपस्थित होना और देश की नामचीन हस्तियों के सत्रों का संचालन करना निश्चित ही छत्तीसगढ़ के लिए गौरव की बात है। उनकी यह उपलब्धि केवल एक पुस्तक के लोकार्पण तक सीमित नहीं, बल्कि साहित्य, सिनेमा और कला के क्षेत्र में छत्तीसगढ़ की प्रतिभा की राष्ट्रीय स्तर पर बढ़ती उपस्थिति का भी परिचायक है।

सक्रिय उपस्थिति

उल्लेखनीय है कि श्वेता पड्डा हाल ही में बनारस लिटरेचर फेस्टिवल में अतिथि वक्ता के रूप में शामिल हुई थीं, जहां उन्होंने साहित्य और सिनेमा से जुड़े विषयों पर अपने विचार रखे और विभिन्न सत्रों का संचालन भी किया। इसके अतिरिक्त मुंबई के वातायन साहित्यिक आयोजन में भी उन्होंने अपनी सक्रिय सहभागिता दर्ज कराई। इन साहित्यिक आयोजनों में उनकी उपस्थिति के तुरंत बाद नेशनल बुक ट्रस्ट की ओर से मुंबई बुक फेस्टिवल के लिए आमंत्रित किया जाना उनके बढ़ते साहित्यिक और संवादात्मक योगदान को दर्शाता है।

अभिनय के क्षेत्र में भी महत्वपूर्ण पड़ाव

साहित्य के साथ-साथ श्वेता पड्डा अभिनय के क्षेत्र में भी लगातार सक्रिय हैं। उनकी आगामी फिल्म 'श्री राम भूमि' में वे दिग्गज अभिनेता अनुपम खेर के साथ एक महत्वपूर्ण और प्रभावशाली किरदार निभाती नजर आएंगी। फिल्म जनवरी में रिलीज होने वाली है। इस फिल्म में निभाया गया उनका किरदार उनके अभिनय सफर का एक महत्वपूर्ण पड़ाव माना जा रहा है।

नारी शक्ति सम्मान से भी हुई सम्मानित

हाल ही में श्वेता पड्डा को छत्तीसगढ़ में आयोजित नारी शक्ति सम्मान समारोह 2026 में सम्मानित किया गया। यह सम्मान छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय द्वारा प्रदान किया गया। छत्तीसगढ़ राज्य महिला आयोग की अध्यक्ष डॉ. ममता साहू की उपस्थिति और पहल से आयोजित इस सम्मान समारोह में कला, साहित्य, समाज और विभिन्न क्षेत्रों में महिलाओं के योगदान को सम्मानित किया गया। श्वेता के लिए अपने गृहप्रदेश में मिला यह सम्मान विशेष महत्व रखता है।

श्वेता अभिनय के अलावा लेखन, शिक्षण, एंकरिंग, वॉइस ओवर और कम्युनिकेशन के क्षेत्र में भी सक्रिय रही हैं। वे 'कम्युनिकेशन एंड आर्ट ऑफ कन्वर्सेशन' की प्रोफेसर और 'बज़्म-ए-दास्तान' की संस्थापक हैं। बज़्म-ए-दास्तान के माध्यम से वे साहित्य, कहानी, कविता, संगीत और भारतीय तहज़ीब को एक साझा मंच प्रदान कर रही हैं।

खास-खबर

प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना से कंचन तिवारी को मिला आर्थिक संबल

रायपुर। प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना महिलाओं के स्वास्थ्य, पोषण और आर्थिक सशक्तिकरण की दिशा में शासन द्वारा किए जा रहे प्रयासों को धरातल पर साकार कर रही है। इस योजना से लाभान्वित होकर कोंडागांव जिला मुख्यालय के तहसीलपारा निवासी कंचन तिवारी के जीवन में भी सकारात्मक बदलाव आया है। कंचन बताती हैं कि पहली बार गर्भवती होने पर उन्हें आंगनबाड़ी केंद्र की कार्यकर्ता दीदी के माध्यम से प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना की जानकारी मिली। उन्होंने बताया कि योजना के अंतर्गत गर्भवती महिलाओं को आर्थिक सहायता प्रदान की जाती है। जानकारी मिलने के बाद कंचन ने आंगनबाड़ी केंद्र के माध्यम से योजना के लिए आवश्यक आवेदन एवं दस्तावेज जमा किए। इसके फलस्वरूप उन्हें पहली किस्त के रूप में 3,000 रुपये की सहायता राशि प्राप्त हुई। इस राशि का उपयोग उन्होंने अपने खान-पान एवं आवश्यक जरूरतों को पूरा करने में किया। कंचन ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहती हैं कि महिलाओं के हित में शुरू की गई यह योजना उनके लिए काफी लाभदायक है। इससे जरूरत के समय आर्थिक सहयोग मिलता है और महिलाएं अपनी तथा अपने बच्चों की बेहतर देखभाल कर पाती हैं।



ग्राम पंचायत कंजिया में विशेष शिविर आयोजित

बलौदाबाजार। वित्तीय समावेशन संतृप्ति अभियान के अंतर्गत बुधवार को विकासखंड कसडोल के ग्राम पंचायत कंजिया में विशेष शिविर का आयोजन किया गया। शिविर के माध्यम से ग्रामीणों को वित्तीय रूप से जागरूक करने एवं शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ पात्र हितग्राहियों तक पहुँचाने की दिशा में पहल की गई तथा सायबर धोखाधड़ी से बचने की जानकारी दी गई। शिविर मे ग्रामीणों को बैंकिंग सुविधाओं, प्रधानमंत्री जनधन योजना, प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना, प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना एवं अटल पेंशन योजना सहित विभिन्न वित्तीय योजनाओं की जानकारी प्रदान की गई। साथ ही पात्र हितग्राहियों को योजनाओं से जोड़ने एवं उनके पंजीयन हेतु आवश्यक मार्गदर्शन दिया गया। इस अवसर पर अग्रणी जिला प्रबंधक ने ग्रामीणों को वित्तीय साक्षरता के प्रति जागरूक रहने तथा बैंकिंग एवं सामाजिक सुरक्षा योजनाओं का अधिक से अधिक लाभ लेने के लिए प्रेरित किया। वहीं अग्रणी बैंक प्रबंधक ने ग्रामीणों को बैंकिंग सुविधाओं एवं विभिन्न शासकीय योजनाओं की उपयोगिता के संबंध में जानकारी प्रदान की। विशेष रूप से किसानों को किसान क्रेडिट कार्ड के लिए प्रोत्साहित किया तथा किसान क्रेडिट कार्ड के माध्यम से कृषि कार्यों हेतु समय पर ऋण सुविधा प्राप्त करने के लाभों से अवगत कराया।

छत्तीसगढ़ के पर्यटन मानचित्र पर उभरा चंदलीडीह, रामनामी संस्कृति के साथ रोमांचक पर्यटन का मिलेगा अनूठा अनुभव

रामनामी इको टूरिज्म का हुआ शुभारंभ, पहले ही दिन विदेशी पर्यटकों की आमद से बढ़ा उत्साह

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत, नैसर्गिक सुंदरता और रोमांचक पर्यटन की संभावनाओं को देश-दुनिया तक पहुंचाने की दिशा में एक और महत्वपूर्ण पहल हुई है। सारंगढ़-बिलाईगढ़ जिले के बिलाईगढ़ विकासखंड अंतर्गत ग्राम चंदलीडीह में रामनामी इको टूरिज्म की शुरुआत की गई है। प्रकृति, आस्था, संस्कृति और रोमांच के अनूठे संगम के रूप में विकसित हो रहा यह पर्यटन स्थल आने वाले समय में छत्तीसगढ़ के पर्यटन को नई पहचान दिलाने के साथ ही स्थानीय ग्रामीणों के आर्थिक सशक्तीकरण का माध्यम भी बनेगा।





जिला प्रशासन एवं रामनामी समुदाय के संयुक्त प्रयासों से विकसित किए जा रहे रामनामी इको टूरिज्म का शुभारंभ अपर कलेक्टर चंद्रकांत कौशिक ने फीता काटकर किया। शुभारंभ के पहले ही दिन दो विदेशी पर्यटकों ने चंदलीडीह पहुंचकर यहां की प्राकृतिक सुंदरता और सांस्कृतिक परिवेश का अनुभव किया।

विदेशी पर्यटकों की आमद से क्षेत्र की पर्यटन संभावनाओं को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहचान मिलने की उम्मीद बढ़ी है। देशी-विदेशी पर्यटकों के संभावित आगमन को ध्यान में रखते हुए जिला प्रशासन द्वारा यहां पर्यटन सुविधाओं और आधारभूत संरचनाओं को बेहतर बनाने की दिशा में प्रयास किए जा रहे हैं, ताकि पर्यटकों को प्रकृति के बीच सुखद, रोमांचक और यादगार अनुभव प्राप्त हो सके।

'प्राकृतिक सुंदरता के बीच मिलेगा रोमांचक पर्यटन का आनंद'

रामनामी इको टूरिज्म, चंदलीडीह में पर्यटकों को प्राकृतिक सुंदरता के बीच सुकून के पल बिताने के साथ ही विभिन्न रोमांचक गतिविधियों का आनंद लेने का अवसर मिलेगा। यहां पिकनिक, नौकायन, बांस के बेड़े की सवारी, कायाकिंग, रात्रिकालीन शिविर और सतखंडा पहाड़ की पदयात्रा जैसी आकर्षक गतिविधियां उपलब्ध हैं।

पर्यटक जहां जल आधारित रोमांचक गतिविधियों का आनंद ले सकेंगे, वहीं सतखंडा पहाड़ की पदयात्रा के माध्यम से क्षेत्र के मनोरम प्राकृतिक दृश्यों को करीब से निहार सकेंगे। खुले आसमान के नीचे प्रकृति के बीच रात्रि विश्राम का अनुभव भी पर्यटकों के लिए विशेष आकर्षण का केंद्र रहेगा। प्रकृति प्रेमियों, रोमांचक पर्यटन के शौकीनों और परिवार के साथ भ्रमण करने वाले पर्यटकों के लिए चंदलीडीह एक आकर्षक पर्यटन स्थल के रूप में उभरने की क्षमता रखता है।

चंदलीडीह पर्यटन स्थल की सबसे बड़ी विशेषता यहां की समृद्ध रामनामी सांस्कृतिक विरासत है। भगवान श्रीराम के प्रति अटूट आस्था, समर्पण और राम नाम को अपने जीवन में आत्मसात करने वाला रामनामी समाज छत्तीसगढ़ की विशिष्ट धार्मिक एवं सांस्कृतिक पहचान है।

रामनामी समुदाय के लोग अपने शरीर पर राम नाम का गोदना गुदवाने, राम नाम अंकित वस्त्र धारण करने तथा भजन-कीर्तन की विशिष्ट परंपराओं के लिए जाने जाते हैं। उनकी सरल जीवनशैली, आध्यात्मिक चेतना, लोक परंपराएं और सांस्कृतिक विरासत भारतीय संस्कृति की अमूल्य धरोहर हैं। रामनामी इको टूरिज्म के माध्यम से यहां आने वाले देशी-विदेशी पर्यटकों को प्राकृतिक सौंदर्य के साथ ही रामनामी समाज की आस्था, जीवनशैली, धार्मिक मान्यताओं और विशिष्ट सांस्कृतिक परंपराओं को करीब से जानने और समझने का अवसर मिलेगा। इससे रामनामी समाज की समृद्ध विरासत को राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहचान दिलाने में भी मदद मिलेगी।

जिला प्रशासन की इस अभिनव पहल का उद्देश्य केवल पर्यटन स्थल विकसित करना ही नहीं, बल्कि पर्यटन के माध्यम से स्थानीय समुदाय की आजीविका को मजबूत बनाना और ग्रामीण अर्थव्यवस्था को गति देना भी है। पर्यटन गतिविधियों के विस्तार से स्थानीय युवाओं, महिलाओं और ग्रामीणों के लिए रोजगार एवं स्वरोजगार की नई संभावनाएं विकसित होंगी। स्थानीय पर्यटन मार्गदर्शक, नौकायन संचालन, पर्यटकों के ठहरने की व्यवस्था, स्थानीय खान-पान, हस्तशिल्प एवं अन्य पर्यटन सेवाओं के माध्यम से ग्रामीणों को आय के अतिरिक्त साधन उपलब्ध होने की संभावनाएं बढ़ेंगी। सामुदायिक सहभागिता पर आधारित पर्यटन की यह पहल स्थानीय संस्कृति और प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण में भी सहायक सिद्ध होगी।

'पर्यावरण संरक्षण के साथ पर्यटन विकास की दिशा में महत्वपूर्ण पहल'

जिला प्रशासन द्वारा जिले के प्राकृतिक, ऐतिहासिक, धार्मिक एवं सांस्कृतिक महत्व वाले स्थलों को पर्यटन की दृष्टि से विकसित करने के निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं। रामनामी इको टूरिज्म, चंदलीडीह इसी दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण, सांस्कृतिक विरासत के संवर्धन और स्थानीय समुदाय की सहभागिता पर आधारित यह पहल सतत पर्यटन विकास को प्रोत्साहित करेगी। आने वाले समय में चंदलीडीह छत्तीसगढ़ में ग्रामीण, सांस्कृतिक, प्राकृतिक एवं रोमांचक पर्यटन के प्रमुख केंद्र के रूप में उभर सकता है।

हर बच्चे के बेहतर बचपन की सीख: गुजरात के नन्द घरों का अवलोकन करने पहुंचीं मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। हर बच्चे को पोषण, सीखने और सुरक्षित बचपन का अवसर मिले इसी संकल्प के साथ छत्तीसगढ़ की महिला एवं बाल विकास तथा समाज कल्याण मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े ने गुजरात प्रवास के दौरान गांधीनगर यूनिट 2 के ग्राम करई में नन्द घरों (आंगनबाड़ी) का भ्रमण किया। आंगनबाड़ी केंद्रों में उन्होंने बच्चों के पोषण, स्वास्थ्य और प्रारंभिक शिक्षा से जुड़ी व्यवस्थाओं को देखा और वहां उपलब्ध सुविधाओं की जानकारी ली।

बच्चों की खिलखिलाहट, सीखने की जिज्ञासा और उनके बेहतर भविष्य के लिए किए जा रहे प्रयासों के बीच मंत्री राजवाड़े ने केंद्रों की कार्यप्रणाली को करीब से समझा। नन्द घर केवल सेवा केंद्र नहीं, बल्कि बच्चों के शुरुआती जीवन को संबल देने और माताओं तक जरूरी सहयोग पहुंचाने का महत्वपूर्ण माध्यम हैं। यहां मिलने वाली देखभाल और सीखने का वातावरण बच्चों के आत्मविश्वास और विकास की नींव मजबूत करता है।

गांधीनगर स्थित सचिवालय में मंत्री राजवाड़े ने गुजरात की महिला एवं बाल विकास (महिला एवं बाल कल्याण) मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) डॉ. मनीषा राजीवभाई वकील से सौजन्य भेंट की। इस अवसर पर छत्तीसगढ़ सामरी की विधायक उद्धेश्वरी पैकरा,गुजरात के महिला एवं बाल विकास विभाग के सचिव राकेश शंकर और छत्तीसगढ़ की विभागीय संचालक डॉ. रेणुका श्रीवास्तव भी उपस्थित रहे। इस दौरान विभागीय योजनाओं, आंगनबाड़ी सेवाओं और महिला एवं बाल कल्याण से जुड़े विषयों पर चर्चा हुई। मंत्री ने गुजरात में अपनाई जा रही व्यवस्थाओं और योजनाओं के क्रियान्वयन की जानकारी ली।



यह दौरा राज्यों के बीच अनुभव साझा करने और बच्चों तथा महिलाओं के लिए चल रही सेवाओं को अधिक प्रभावी बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण रहा। गुजरात के नन्द घरों में देखे गए प्रयास छत्तीसगढ़ में आंगनबाड़ी केंद्रों को और बेहतर बनाने तथा हर बच्चे तक पोषण, शिक्षा और संवेदनशील देखभाल पहुंचाने के संकल्प को नई दिशा दे सकते हैं।

धमतरी में ग्रामीण महिलाओं को सशक्त बनाने के लिए 'स्त्री' परियोजना का शुभारंभ

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। भारत सरकार के विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्रालय के वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान विभाग (DSIR) द्वारा प्रायोजित इस 89.97 लाख की परियोजना का क्रियान्वयन एनआईटी रायपुर फाउंडेशन फॉर इनोवेशन एंड एंटरप्रेन्योरशिप (NITRRFIE) द्वारा जिला प्रशासन, धमतरी के सहयोग से किया जा रहा है। छत्तीसगढ़ के धमतरी में ग्रामीण महिलाओं को प्रौद्योगिकी और उद्यमिता के माध्यम से आत्मनिर्भर बनाने के उद्देश्य से 'स्त्री' (STREE - Skill Development through Technological Resources for Empowering Economic Growth of Women) परियोजना का विधिवत उद्घाटन किया गया।

36 महीनों में 300 ग्रामीण महिलाओं को कोसा सिल्क प्रसंस्करण, आधुनिक बुनाई उत्पाद विकास और उद्यमिता का प्रशिक्षण दिया जाएगा। इस पहल के तहत अगले 36 महीनों में 300 ग्रामीण महिलाओं को कोसा सिल्क प्रसंस्करण, आधुनिक बुनाई, उत्पाद विकास और उद्यमिता का प्रशिक्षण दिया जाएगा, ताकि वे पारंपरिक कोसा सिल्क और कृषि-अपशिष्ट शिल्प को बाजार-उन्मुख उद्यमों में बदल सकें। उद्घाटन के अवसर पर ग्रामीण महिलाओं और स्व-सहायता समूहों के लिए एक दिवसीय उद्यमिता विकास कार्यशाला भी आयोजित की गई, जिसमें NITRRFIE के अधिकारियों— मेधा सिंह, सुनील देवांगन, सौरभ लूथरा और हिमांशु चौरसिया—ने ई-कॉमर्स तथा उत्पाद डिजाइन, फोटो संवर्धन और डिजिटल विज्ञापन में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के व्यावहारिक उपयोग पर सत्र संचालित किए।



एनआईटी रायपुर के निदेशक प्रो. एन. वी. रमना राव ने कहा कि NITRRFIE और इंडिया एआई सेंटर ऑफ एक्सीलेंस (IndiaAI CoE) के माध्यम से पारंपरिक कला और आधुनिक उद्योग के बीच की खाई को पाटा जा रहा है। वहीं, परियोजना के प्रधान अन्वेषक एवं NITRRFIE के फैकल्टी इंचार्ज डॉ. अनुज कुमार शुक्ला ने बताया कि मोटराइज्ड रीलिंग, इलेक्ट्रॉनिक जैक्वार्ड लूम, एआई-सहायता प्राप्त डिजाइन और व्यवस्थित कॉस्टिंग को जोड़कर 300 महिलाओं को दैनिक वेतनभोगी बुनकरों से आत्मनिर्भर ब्रांड मालिकों और स्टार्टअप उद्यमियों के रूप में तैयार किया जा रहा है।

जगदलपुर में जिला स्तरीय बस्तर ओलंपिक 2026 का भव्य शुभारंभ, 2 हजार से अधिक खिलाड़ी जुटे

श्रीकंचनपथ न्यूज

जगदलपुर। बस्तर अंचल की खेल प्रतिभाओं को मंच प्रदान करने वाले 'बस्तर ओलंपिक 2026' (बस्तर ओलंपिक 3.0) के बस्तर जिले के जिला स्तरीय मुकाबलों का बुधवार को जगदलपुर के इंदिरा प्रियदर्शिनी स्टेडियम में भव्य शुभारंभ हुआ। 'करसाय ता बस्तर बरसाय ता बस्तर' के उत्साह के बीच जिला पंचायत अध्यक्ष वेदवती कश्यप और अन्य अतिथियों ने बस्तर व बकावंड ब्लॉक के बीच हुए फुटबॉल मैच में किक मारकर खेलों की शुरुआत की। भारोत्तोलक पालेश नाग ने खिलाड़ियों को खेल भावना और गरिमा के साथ खेलने की शपथ दिलाई।





दो दिवसीय इस जिला स्तरीय आयोजन में जिले के सात विकासखंडों में 16 नवंबर तक हुई प्रतियोगिताओं से चयनित 2 हजार से अधिक खिलाड़ी हिस्सा ले रहे हैं। पहले दिन आज बुधवार को जूनियर वर्ग (10 से 17 वर्ष) और गुरुवार को सीनियर वर्ग (17 वर्ष से अधिक आयु) के मुकाबले होंगे, जिनमें महिला व पुरुष वर्ग की अलग-अलग स्पर्धाएं आयोजित की जा रही हैं। समापन गुरुवार शाम 4 बजे इंदिरा प्रियदर्शिनी स्टेडियम में होगा।

उद्घाटन अवसर पर जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती वेदवती कश्यप ने कहा कि जोन और ब्लॉक स्तर से आगे बढ़कर खिलाड़ी जिला स्तर पर पहुंचे हैं और युवाओं को खेल के साथ पढ़ाई पर भी ध्यान देना चाहिए। इंद्रावती विकास प्राधिकरण के उपाध्यक्ष शरद अवस्थी ने कहा कि छोटे गांवों में भी उत्कृष्ट खेल प्रतिभाएं जन्म लेती हैं। जिला पंचायत की खेल एवं युवा कल्याण समिति के सभापति बनवासी मौर्य ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में खेलों को मिल रहे प्रोत्साहन से बस्तर की तस्वीर बदल रही है। वहीं, जगदलपुर नगर निगम सभापति खेमसिंह देवांगन ने इस आयोजन को बस्तर के बदलते स्वरूप और उज्ज्वल भविष्य का प्रतीक बताया।

बस्तर जिले में वर्ष 2024 में बस्तर ओलंपिक की शुरुआत के बाद से पंजीकृत खिलाड़ियों की संख्या लगातार बढ़ी है, जो 2024 में 37 हजार 650 और 2025 में 95 हजार 587 थी, वह 2026 में बढ़कर 1 लाख 4 हजार 841 हो गई है। जिला स्तरीय मुकाबले इंदिरा प्रियदर्शिनी स्टेडियम, क्रीड़ा परिसर धरमपुरा, खेलो इंडिया लघु केंद्र पंडरीपानी और सिटी ग्राउंड में आयोजित किए जा रहे हैं। इनमें एथलेटिक्स, आर्चरी, कबड्डी, खो-खो, वॉलीबॉल, फुटबॉल, बैडमिंटन, वेटलिफ्टिंग, हॉकी और कराटे सहित कुल 11 विधाओं के साथ सीनियर महिला वर्ग के लिए प्रतीकात्मक रस्साकसी की स्पर्धा भी शामिल है।

इस अवसर पर जनप्रतिनिधियों, पार्षदों, कलेक्टर आकाश छिकारा, अपर कलेक्टर, अपर पुलिस अधीक्षक सहित अन्य प्रशासनिक अधिकारियों, शिक्षकों, खेलप्रेमियों और सातों विकासखंडों के प्रतिभागियों की उपस्थिति रही।

बलरामपुर में समर्थन मूल्य पर धान खरीदी ने पकड़ी रफ्तार
अब तक 90 हजार क्विंटल से अधिक धान की खरीदी

रायपुर। छत्तीसगढ़ में समर्थन मूल्य पर धान खरीदी का महाभियान जारी है। इसी कड़ी में बलरामपुर जिले में भी धान खरीदी की प्रक्रिया तेजी से संचालित हो रही है। जिले के 54 धान उपार्जन केंद्रों के माध्यम से 25 नवंबर तक कुल 90 हजार 707.60 क्विंटल धान की खरीदी की जा चुकी है। सभी केंद्रों में किसानों की सुविधा और व्यवस्थित खरीदी के लिए आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित की गई हैं। जिले में बड़कागांव धान उपार्जन केंद्र खरीदी के मामले में सबसे आगे है, जहां अब तक 5,317.60 क्विंटल धान की खरीदी हुई है। वहीं त्रिकुण्डा केंद्र में 3,881.20 क्विंटल, तातापानी में 3,133.20 क्विंटल और चान्दो केंद्र में 2,317.20 क्विंटल धान खरीदा गया है।

CAR DECOR
House Of Exclusive
Seat Cover,
Car Stereos Matting &
Sun Control Film &
Other Accessories
Shop No.3 Nafish Tower.
Opp. Indian Coffee House,
Akashganga, Bhilai
Mo.9300771925, 0788-4030919
K. Satyanarayan

ॐ SAIRAM
Mobile Accessories
मोबाईल शॉप में कार्य करने हेतु लड़को की आवश्यकता है
7000415602
Shop No. 78, Himalaya Complex, Supela, Bhilai

ROCKEY INDUSTRIES
FURNITURE PALACE
Deals in: (Steel & Wooden)
Luxury & Imported Furniture
Akash Ganga, Supela, Bhilai Ph. 2296430

चौरसिया ज्वेलर्स
आकर्षक सोने चांदी के आभूषणों के निर्माता एवं विक्रेता
बेन्टेक्स एवं ग्रहरत्न उपलब्ध यहां
उचित ब्याज दर पर गिरवी रखी जाती है
मुक्तिधाम रोड, रामनगर, सुपेला, भिलाई
9827938211, 9827171332

Jaquar Roca Parryware AJAY FLOWLINE
Shri Vijay Enterprises
Sanitarywares, Tiles,
CPVC Pipes &
Bathroom Fittings etc.
Supela Market, Bhilai
PH. 0788-4030909, 2295573

खास खबर

खरसिया में ट्रेन से कटकर 77 वर्षीय बुजुर्ग की मौत

रायगढ़। खरसिया रेलवे स्टेशन के पास बुधवार को मिडिल लाइन पर ट्रेन की चपेट में आने से 77 वर्षीय बुजुर्ग की मौत हो गई। मृतक की पहचान ग्राम चंदनडोंगरी, बोतल्दा निवासी रामलाल गबेल के रूप में हुई है। शव गर्दन से कटकर दो हिस्सों में मिला। मामले में आत्महत्या की आशंका जताई जा रही है। 25 नवंबर को खरसिया स्टेशन मास्टर ने मिडिल लाइन में एक व्यक्ति के ट्रेन से कटने की सूचना जीआरपी रायगढ़ को दी। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और शव का पंचनामा कर मर्ग कायम किया। शुरुआत में मृतक की पहचान नहीं हो सकी थी। बाद में जांच के दौरान उसकी पहचान रामलाल गबेल के रूप में हुई और परिजनों को सूचना दी गई।परिजनों के अनुसार, रामलाल बुधवार सुबह करीब 9.30 बजे घर से निकले थे। कुछ देर बाद रेलवे ट्रैक पर उनका शव मिला। जीआरपी ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस यह पता लगाने का प्रयास कर रही है कि बुजुर्ग किन परिस्थितियों में रेलवे ट्रैक तक पहुंचे।

शादी का झांसा देकर युवती का शोषण

जगदलपुर। शादी का वादा कर विश्वास जीतने और फिर लंबे समय तक शारीरिक शोषण करने का मामला सामने आया है। पुलिस के मुताबिक, पीड़िता ने शिकायत में आरोप लगाया कि आरोपी ने 21 नवंबर 2023 से सितंबर 2026 तक शादी करने का भरोसा देकर उसके साथ लगातार शारीरिक संबंध बनाए। उसने आरोपी से विवाह करने की बात कही, तो उसने शादी करने से इनकार कर दिया। इसके बाद युवती ने न्याय की मांग करते हुए अजाक थाने में शिकायत दर्ज कराई। मामले की प्रारंभिक जांच में अपराध पाए जाने के बाद पुलिस ने भारतीय न्याय संहिता और अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति अत्याचार निवारण अधिनियम 1989 की संबंधित धाराओं के तहत प्रकरण दर्ज किया। पुलिस ने विवेचना आगे बढ़ाते हुए आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया, जहां से उसे न्यायिक अभिरक्षा में जेल भेज दिया गया। फ्लिहाल मामले में पुलिस की आगे की जांच जारी है।

सुकमा में 30 क्विंटल अवैध धान जब्त

सुकमा। खाद्य विभाग और मंडी की संयुक्त टीम ने रात्रि गश्त के दौरान झापरा से भेलवापाल मार्ग पर एक पिकअप वाहन को रोककर जांच की। वाहन में 60 बोरियों में भरा करीब 30 क्विंटल धान मिला। जांच में धान का परिवहन कर रहे संजय गेन निवासी चिकपल्ली, मलकानगिरी से संबंधित जानकारी सामने आई। संयुक्त टीम ने परिवहन से जुड़े दस्तावेजों की जांच के बाद मंडी अधिनियम के तहत कार्रवाई करते हुए धान सहित पिकअप वाहन जब्त कर लिया। जब्त वाहन और धान को थाना सुकमा की अभिरक्षा में सौंपा गया है। अवैध भंडारण और परिवहन को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। इसके लिए निगरानी दल लगातार ग्रामीण और सीमावर्ती मार्गों पर जांच कर रहे हैं। खासकर दूसरे राज्यों और जिलों से होने वाले धान के आवागमन पर विशेष नजर रखी जा रही है।

8 मिनट में 173 आईफोन चुराए, कंजर गैंग का मास्टरमाइंड भागने से पहले पकड़ाया, बाइक की परछाई से मिला सुराग

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ के रायपुर के तेलीबांधा स्थित आईफोन स्टोर में हुई 1.89 करोड़ की 173 आईफोन चोरी का पुलिस ने खुलासा कर दिया है। मध्यप्रदेश के कंजर गैंग के आरोपियों ने 8 मिनट में चोरी की वारदात को अंजाम दिया था। चोरी किए कुछ फोन कोलकाता के चोर बाजार में बेचे गए। आरोपियों तक पहुंचने के लिए पुलिस ने करीब 265 किलोमीटर के दायरे में 1 हजार सीसीटीवी फुटेज खंगाले। जांच के दौरान एक बाइक की परछाई पुलिस के लिए अहम सुराग बनी। इसी के आधार पर पुलिस आरोपियों तक पहुंची। पुलिस अब तक 125 iPhone बरामद कर चुकी है, जबकि करीब 40 फोन की तलाश जारी है।

इस मामले में मध्यप्रदेश के आरोपी राकेश कंजर और सैफान की गिरफ्तारी हुई है। सैफान ने बिकवाने में मदद की थी। वह विदेश भागने की तैयारी में था, उससे पहले पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर लिया। 2 आरोपी अभी फरार हैं। मामला तेलीबांधा थाना क्षेत्र का है। पुलिस कमिश्नर संजीव शुक्ला ने बताया कि, 24 अक्टूबर को तीन आरोपी चोरी की गाड़ी से तेलीबांधा स्थित iNe&t Apple Store पहुंचे थे।



आरोपियों ने महज 8 मिनट में चोरी की वारदात को अंजाम दिया और फरार हो गए। चोर स्मार्ट वॉच, हेडफोन और दुकान का डीवीआर भी ले गए थे। इस मामले की जांच के लिए 40 पुलिसकर्मियों की टीम बनाई गई थी।

4 राज्यों में भेजी गईं पुलिस टीमें

आरोपियों की तलाश में पुलिस की टीमें दिल्ली, राजस्थान, मध्यप्रदेश और गुजरात तक भेजी गईं। जांच में पता चला कि आरोपी 24 अक्टूबर को रायपुर आए थे। इसके बाद वे देवास गए और 31 अक्टूबर को दोबारा रायपुर पहुंचे। पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज की मदद से उनकी आवाजाही का पता लगाया।

265 किमी पीछा कर पहुंची पुलिस

करीब 265 किलोमीटर के दायरे में 1,000 सीसीटीवी फुटेज खंगालने के दौरान पुलिस को एक बाइक की परछाई दिखाई दी। इसी सुराग को आधार बनाकर पुलिस आरोपियों तक पहुंची। जांच में चोरी के फोन इंदौर के सैफान तक पहुंचने की जानकारी मिली। जांच में पता चला कि मध्यप्रदेश के देवास निवासी राजेश सिंह झाला (43) गिरोह का सरगना है। उसके खिलाफ चोरी समेत 47 से ज्यादा मामले दर्ज हैं।

वह अपने बेटे राज झाला और रिश्तेदार राजेश लोधी के साथ वारदात करता था, जबकि सफान चोरी का सामान खपाता था। गिरोह खास तौर पर एप्पल स्टोर को निशाना बनाता था, क्योंकि इनके डिवाइस महंगे होते हैं और इन्हें विदेश में खपाना आसान होता है। अक्टूबर के अंतिम सप्ताह में गिरोह ने रायपुर आकर स्टोर की रेकी की थी। इसके बाद जोरा मॉल की पार्किंग से बाइक चोरी की और उसे महाराष्ट्र के सकोली के जंगल में छिपाकर देवास लौट गया। 31 अक्टूबर को तीनों आरोपी दोबारा रायपुर पहुंचे और रात में स्टोर का शटर तोड़कर आईफोन समेत अन्य डिवाइस चोरी कर फरार हो गए।



जांच के दौरान पता चला कि आरोपियों ने वारदात के समय किसी मोबाइल या अन्य इलेक्ट्रॉनिक डिवाइस का इस्तेमाल नहीं किया था। चोरी की बाइक की नंबर प्लेट और चेसिस नंबर भी बदल दिए थे।

बाइक की परछाई के सहारे जंगल तक पहुंचे

वारदात के बाद पुलिस ने सबसे पहले स्टोर और आसपास लगे करीब 100 कैमरों की फुटेज खंगाली, लेकिन कोई स्पष्ट सुराग नहीं मिला। हमने जांच का दायरा बढ़ाया तो करीब 20 किमी दूर कुम्हारी में संदिग्ध बाइक का फुटेज मिला। टीम ने गौर किया कि बाइक की खराब हेडलाइट के कारण उसकी परछाई अर्धचंद्राकार दिखाई दे रही थी। इसी पहचान के सहारे पुलिस महाराष्ट्र के सकोली के जंगल तक पहुंची। टीम ने चार दिन तक जंगल में तलाश की, तब जाकर बाइक बरामद हुई। 265 किमी के रास्ते में कैमरों की जांच में पुलिस को एक संदिग्ध का धुंधला फुटेज मिला था। एआई से संभावित तस्वीर बनवाई गई। यह तस्वीर ऑल इंडिया पुलिस ग्रुप में साझा की गई। देवास पुलिस ने तस्वीर देखकर संदिग्ध की पहचान हिस्ट्रीशीटर राजेश झाला के रूप में की। फिर स्थानीय पुलिस की मदद से उसे गिरफ्तार किया गया। यह रायपुर पुलिस के लिए जांच का सबसे बड़ा सुराग साबित हुआ। राजेश से मिली जानकारी से पुलिस ने सफान के बड़वानी स्थित मकान पर छापा मारा। पुलिस ने कोलकाता में सफान की बहन के घर छापा मारा और पूछताछ की। तब पुलिस सफान तक पहुंच गई।

प्रेमिका को दूसरे बॉयफ्रेंड संग देखा तो मार डाला, खुद खाया जहर

श्रीकंचनपथ न्यूज

जांजगीर। छत्तीसगढ़ के जांजगीर जिले में 51 साल के शादीशुदा प्रेमी ने अपनी 45 साल की प्रेमिका की हत्या कर दी। प्रेमी ने प्रेमिका को किसी दूसरे लड़के के साथ देख लिया था। इस बात को लेकर तीनों के बीच विवाद हुआ। गुस्से में शिवचरण ने महिला की हत्या कर दी और शव को गांव के पास झाड़ियों में छिपाकर घर लौट गया। इसके बाद खुद जहर खाकर जान देने की कोशिश की। फिलहाल उसका कोरबा जिला अस्पताल में इलाज चल रहा है। पुलिस ने आरोपी की निशानदेही पर बुधवार को महिला का शव बरामद किया। मामला बलौदा थाना क्षेत्र के पंतोरा चौकी क्षेत्र का है।



अंगारखार गांव की धनेश्वरी बाई (45) की शादी के कुछ समय बाद ही उसके पति की मौत हो गई थी। धनेश्वरी अपने बच्चों के साथ रह रही थी। आरोपी शिवचरण यादव (51) भी शादीशुदा है और इसी गांव का रहने वाला है। दोनों के बीच प्रेम संबंध थे। रविवार को शिवचरण ने धनेश्वरी को दूसरे प्रेमी के साथ देख लिया। इसके बाद तीनों के बीच जमकर विवाद शुरू हो गया। विवाद के दौरान महिला का दूसरा प्रेमी वहां से चला गया। इसके बाद शिवचरण ने धनेश्वरी की हत्या कर दी। फिर शव को नल के पास झाड़ियों में छिपा दिया और घर चला गया।

घटना के बाद धनेश्वरी दो दिनों तक घर और गांव में दिखाई नहीं दी। इस पर परिजन और ग्रामीणों ने उसकी तलाश शुरू की। काफी खोजबीन के बाद भी उसका पता नहीं चला तो गांव में बैठक बुलाई गई। बैठक में शिवचरण पर संदेह जताया गया। ग्रामीणों ने उसे बुलाकर महिला के बारे में पूछताछ की, लेकिन उसने कुछ भी जानने से इनकार कर दिया और वहां से घर लौट गया।

घर लौटने के बाद शिवचरण ने अपने बेटे दुर्गेश यादव को बताया कि उससे गलत काम हो गया है और उसने धनेश्वरी की हत्या कर दी है। इसके बाद वह शौच जाने की बात कहकर घर से निकला, लेकिन वापस नहीं लौटा।

परिजनों ने उसकी तलाश शुरू की तो वह खेत में बेहोशी की हालत में मिला। उसने जहर खा लिया था। परिजन उसे इलाज के लिए कोरबा जिला अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां उसे भर्ती कराया गया।

जहर खाने के मामले की जानकारी जिला अस्पताल के पुलिस सहायता केंद्र से पंतोरा चौकी पुलिस को दी गई। पुलिस ने अस्पताल में शिवचरण से पूछताछ की तो उसने महिला की हत्या करने और शव को नल के पास झाड़ियों में छिपाने की बात कबूल की। इसके बाद बुधवार सुबह पुलिस टीम मौके पर पहुंची और झाड़ियों से धनेश्वरी का शव बरामद किया।

राजनांदगांव में पोहा उद्योग समेत दो जगहों से 82 क्विंटल अवैध धान जब्त

श्रीकंचनपथ न्यूज

राजनांदगांव। धान खरीदी के बीच धान के अवैध भंडारण और परिवहन के साथ धान खपाने की कोशिशों पर प्रशासन की सख्ती जारी है। राजनांदगांव और डोंगरगढ़ में मंडी की टीम ने दो अलग-अलग कार्रवाई करते हुए 205 कट्टा (82 क्विंटल) धान जब्त किया।

इसमें राजनांदगांव के एक पोहा उद्योग से 150 कट्टा (60 क्विंटल) और डोंगरगढ़ से 55 कट्टा (22 क्विंटल) धान पकड़ा गया। लाइसेंस की तय सीमा से अधिक धान का संग्रहण और जरूरी दस्तावेज प्रस्तुत नहीं करने पर जब्ती की कार्रवाई की गई।

जिले में अवैध धान के भंडारण, परिवहन और खरीदी केंद्रों में खपाने की कोशिशों पर रोक लगाने के लिए राजस्व, खाद्य और मंडी विभाग की टीमें लगातार निगरानी कर रही हैं।

दो राज्यों की सीमा से लगे होने से यहां तस्करी ज्यादा मंगलवार को 2 नए प्रकरण बनने के बाद आंकड़ा बढ़कर 34 हो गया है। अब तक कुल 2997.50 क्विंटल धान, 7090 कट्टा बारदाना और 4 वाहन जब्त किए जा चुके हैं। राजनांदगांव जिला महाराष्ट्र के गढ़चिरौली, गोंदिया और मध्य प्रदेश की सीमा से लगा हुआ है। इस कारण यहां अवैध धान आने की आशंका ज्यादा है। विगत वर्षों में भी धान जब्त किया है।

कांग्रेस नेता उमेश रगड़े पर कारोबारी को धमकाने का केस

श्रीकंचनपथ न्यूज



Umesh Ragde

रायपुर। कारोबारी से मारपीट के मामले में रिपोर्ट वापस लेने का दबाव बनाने और जान से मारने की धमकी देने के आरोप में कांग्रेस नेता उमेश रगड़े के खिलाफ केस दर्ज किया गया है। कारोबारी विजय जेठानी का आरोप है कि 22 नवंबर को उनके पास एक अनजान नंबर से फोन आया था।

फोन करने वाले ने खुद को उमेश रगड़े बताया और भतीजे गोलू रगड़े व अतुल तलमेल के खिलाफ दर्ज मारपीट की रिपोर्ट वापस लेने का दबाव बनाया। मना करने पर गाली-गलौज की और जान से मारने की धमकी दी। यह मामला आजाद चौक थाना क्षेत्र का है।

उन्होंने 21 नवंबर को गोलू रगड़े उर्फशंका और अतुल तलमेल के खिलाफ आजाद चौक थाने में मारपीट की शिकायत दर्ज कराई थी। इसके अगले दिन 22 नवंबर को दोपहर 12:56 बजे उनके मोबाइल पर फोन आया। फोन करने वाले ने रिपोर्ट वापस लेने का दबाव बनाया। मना करने पर गाली-गलौज की और जान से मारने की धमकी दी। इसके बाद कारोबारी ने 24 नवंबर को थाने में शिकायत दर्ज कराई। पुलिस ने भारतीय न्याय संहिता की धारा 296 और 351(4) के तहत मामला दर्ज किया है। शिकायत में फोन करने वाले की पहचान अज्ञात नंबर के धारक के रूप में दर्ज है। कारोबारी ने आरोप लगाया है कि फोन करने वाले ने अपना नाम उमेश रगड़े बताया था। उमेश रगड़े कांग्रेस के एससी-एसटी सेल का नेशनल कोऑर्डिनेटर और यूथ कांग्रेस का जिलाध्यक्ष बताया जा रहा है। वहीं, मारपीट के मामले में आरोपी अतुल तलमेल जेल में बंद है। गोलू रगड़े और उमेश रगड़े फरार बताए जा रहे हैं। इस मामले से जुड़ा एक ऑडियो भी सोशल मीडिया पर वायरल हुआ था। पुलिस शिकायत, वायरल ऑडियो और पूरे मामले की जांच कर रही है।

खड़े ट्रक से टकराई बाइक, युवक की मौत, साथी गंभीर, 329 दिन में 29 लोगों की जान गई

श्रीकंचनपथ न्यूज



बिलासपुर। बिलासपुर-रतनपुर नेशनल हाईवे-130 पर बुधवार शाम भरारी के पास सड़क किनारे खड़े ट्रक से बाइक टकरा गई। हादसे में बाइक चला रहे आकाश साहू की मौके पर मौत हो गई।

जबकि पीछे बैठा विकास साहू गंभीर रूप से घायल हो गया। हादसा शाम करीब 7 बजे हुआ। अंधेरे में खड़ा ट्रक दिखाई नहीं देने से बाइक पीछे से उससे टकरा गई।

दोनों युवक बाइक से बिलासपुर की ओर जा रहे थे। भरारी के पास सड़क पर खड़ा ट्रक अंधेरे के कारण बाइक चालक को दिखाई नहीं दिया। बाइक सीधे ट्रक के पीछे जा टकराई।

टक्कर से बाइक क्षतिग्रस्त हो गई और आकाश की मौके पर ही मौत हो गई। टीआई नीलेश पांडेय ने बताया कि घायल विकास बैसाखू साहू का बेटा है। पुलिस मौके पर पहुंची और स्थानीय लोगों की मदद से उसे सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र रतनपुर पहुंचाया। हालत गंभीर होने पर उसे सिम्स रेफर किया गया। पुलिस ने आकाश के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। हादसे में शामिल ट्रक जब्त कर लिया गया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। बिलासपुर-रतनपुर नेशनल हाईवे-130 पर पिछले 329 दिनों में 29 लोगों की जान जा चुकी है। इनमें पेंडरवा-रानीगांव क्रॉसिंग मोड़ पर 11 लोगों की मौत हुई है। इस जगह पर अंधेरा रहता है। पेंडरवा की सरपंच अंजनी बैगा सुशासन तिहार के दौरान कलेक्टर से दो बार लाइट लगवाने की मांग कर चुकी हैं।

पत्नी को दूसरे के साथ में देख पति ने कुल्हाड़ी से कर दी हत्या

श्रीकंचनपथ न्यूज

जशपुर। छत्तीसगढ़ के जशपुर जिले में पति ने पत्नी को किसी दूसरे व्यक्ति के साथ आपत्तिजनक हालत में देख लिया था। गुस्से में पति ने कुल्हाड़ी से वार कर पत्नी की हत्या कर दी। फिर पत्नी के खाट से गिरने की झूठी कहानी सुनाई। परिजनों ने शव दफना दिया, लेकिन मृतिका की बहन को मौत की परिस्थितियों पर संदेह हुआ। उसकी शिकायत पर पुलिस ने कब्र से शव निकलवाकर पोस्टमॉर्टम कराया, जिसमें हत्या का खुलासा हुआ। पुलिस ने आरोपी पति को गिरफ्तार कर लिया है। मामला कुनकुरी थाना क्षेत्र का है।

जानकारी मुताबिक, पार्वती बाई (52) की शादी ग्राम खजूरबहार के चौहान पारा में



रहने वाले मुखलाल राम उर्फसुखलाल राम (62) से हुई थी। 6 नवंबर 2026 की शाम करीब 5 बजे पार्वती बाई की बहू ने उनकी छोटी बहन सीता बाई (45), निवासी कुडमुरा नंदीटोली, थाना नारायणपुर को फोन कर मौत की सूचना दी।

अगले दिन सीता बाई गांव पहुंची। वहां उन्होंने अपनी बड़ी बहन का शव घर के कमरे में देखा। पार्वती बाई के सिर और माथे पर चोट के निशान थे और खून निकला हुआ था। इस पर मुखलाल राम ने परिजनों को बताया कि पार्वती बाई खाट से गिर गई थीं। सिर में चोट लगने से उनकी मौत हो गई। उसकी बात पर भरोसा कर परिजनों और समाज के लोगों ने 7 नवंबर को शव दफना दिया।

कुछ समय बाद सीता बाई को अपनी बहन की मौत की परिस्थितियों पर संदेह हुआ। उन्हें आशंका थी कि पार्वती बाई की हत्या की गई है और इसमें उनके पति का हाथ हो सकता है। इसके बाद 20 नवंबर को उन्होंने कुनकुरी थाने पहुंचकर संदिग्ध मौत की रिपोर्ट दर्ज कराई और निष्पक्ष जांच की मांग की। पुलिस ने गवाहों के बयान दर्ज किए और वैधानिक प्रक्रिया पूरी करने के बाद कब्र से शव निकलवाकर पोस्टमॉर्टम कराया। पोस्टमॉर्टम की शॉर्ट रिपोर्ट में डॉक्टर ने मौत की प्रकृति हत्यात्मक बताई।

पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट और जांच में मिले तथ्यों के आधार पर पुलिस ने मुखलाल राम के खिलाफ धारा 103(1), 238(क) बीएनएस के तहत केस दर्ज किया। पुलिस ने उसे हिरासत में लेकर पूछताछ की।

पूछताछ में आरोपी ने बताया कि वह पत्नी के चरित्र पर शक करता था। 6 नवंबर को दोपहर 1 बजे के बीच उसने पत्नी को किसी व्यक्ति के साथ आपत्तिजनक स्थिति में देख लिया था। इसी बात पर गुस्से में आकर उसने घर में रखी कुल्हाड़ी के पासा वाले हिस्से से पत्नी के सिर, माथे और सीने पर दो-तीन बार वार कर दिया। गंभीर चोट लगने से पार्वती बाई की मौत हो गई।

बिरगांव चुनाव से पहले पुलिस की कार्रवाई

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। बीरगांव नगर निगम चुनाव को देखते हुए पुलिस ने असामाजिक तत्वों के खिलाफ कार्रवाई शुरू कर दी है। उत्तर जोन पुलिस ने अलग-अलग थाना क्षेत्रों में अभियान चलाकर 33 लोगों के खिलाफ प्रतिबंधात्मक कार्रवाई की है। इसके साथ ही एक गिरफ्तारी वारंट भी तामील किया गया है। खमतराई थाना क्षेत्र में आर्म्स एक्ट के तहत एक मामला दर्ज किया गया है।

पुलिस उपायुक्त (उत्तर जोन) दीपमाला कश्यप के निर्देश पर यह कार्रवाई की गई। अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त आदित्य पांडेय और सहायक पुलिस आयुक्त उरला पूर्णिमा लामा के नेतृत्व में उरला, खमतराई, गुढ़ियारी, पंडरी और खम्हारडीह थाना क्षेत्रों में अभियान चलाया गया।

इस तरह कुल 33 लोगों के खिलाफ प्रतिबंधात्मक कार्रवाई की गई। पुलिस का कहना है कि चुनाव के दौरान शांति और कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए निगरानी रखी जा रही है। असामाजिक गतिविधियों में शामिल लोगों के खिलाफ आगे भी कार्रवाई जारी रहेगी।



किस थाना क्षेत्र में कितनी कार्रवाई

उरला: 13 लोगों के खिलाफ प्रतिबंधात्मक कार्रवाई।
खमतराई: 12 लोगों के खिलाफ प्रतिबंधात्मक कार्रवाई और आर्म्स एक्ट में 1 केस दर्ज।
गुढ़ियारी: 8 लोगों के खिलाफ प्रतिबंधात्मक कार्रवाई और 1 गिरफ्तारी वारंट तामील।

बीजापुर में बड़ेपल्ली में माओवादियों का डंप मिला नक्सलियों ने जमीन में दबा रखा था डिब्बा



बीजापुर। बीजापुर के बड़ेपल्ली गांव से सटे जंगल में सुरक्षा बलों ने जमीन में दबाकर रखे गए माओवादियों के डंप से 39 लाख 77 हजार रुपए बरामद किए हैं। रकम 500-500 रुपए के नोटों में है। गड्डियों को टेप से लपेटकर स्टील के डिब्बे में रखा गया था। डिब्बे को बोरी में डालकर जमीन में दबा दिया गया था। पुलिस अब रकम के स्रोत और इस्तेमाल की योजना का पता लगा रही है। पुलिस के मुताबिक 24 नवंबर को मुखबिर से सूचना मिली थी कि जंगल में सामान डंप है।







छत्तीसगढ़ शासन
सत्यमेव जयते

सम्मान से समृद्धि की ओर
छत्तीसगढ़
के अन्नदाता



प्रधानमंत्री किसान
सम्मान निधि

26 लाख+
किसानों को
प्रति वर्ष
₹6,000
की आर्थिक सहायता

अब तक
₹11,283 की सहायता



श्री विष्णु देव साय
माननीय मुख्यमंत्री, छत्तीसगढ़

श्री नरेन्द्र मोदी
माननीय प्रधानमंत्री

Ro - 49814/8

हमसे जुड़ने के लिए
QR स्कैन करें
छत्तीसगढ़ जनसंपर्क
/ChhattisgarhCMO
/DPRChhattisgarh
www.dprcg.gov.in

सुशासन से समृद्धि की ओर

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक राजेश अग्रवाल द्वारा मिशन मीडिया प्रा. लि. छत्तीसगढ़ भवन, प्रेस काम्प्लेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) से मुद्रित कर, 204 आकाशगंगा सुपेला, भिलाई जिला दुर्ग (छ.ग.) से प्रकाशित। संपादक राजेश अग्रवाल shreekanchanpath2010@gmail.com, Mo - 9303289950